दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास...

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

बलरामपुर
शनिवार, 20 जून 2026
वर्ष: 05 अंक : 259 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

ऑनलाइन परफ्यूम खरीदना चाहते ...8

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

कनाडा से 6–0 की हार के बाद फूट–फूटकर रोया कतर के गोलकीपर, विरोधी खिलाड़ी ने पोंछे आंसू

कतर की विश्व कप में कनाडा के हाथों करारी हार से उसके खिलाड़ी और सरकारी खर्चे पर यहां पहुंचे 1000 से अधिक प्रशंसक निराश हो गए तथा अंतिम सीटी बजने के बाद गोलकीपर महमूद अबुनादा फूट–फूटकर रोने लगे, जिन्हें कनाडा के जैकब शैफेलबर्ग ने सांत्वना दी। कतर के कोच जुलेन लोपेटेगुई ने कहा, ''यह एक कठिन मैच था, क्योंकि इसमें हमारे लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा। सब कुछ गलत हुआ। फुटबॉल में कभी–कभी ऐसा होता है।'' कतर को दूसरे हाफ के अधिकांश समय नौ खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा क्योंकि उसके दो खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया गया था।

सीएम योगी ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र प्रकरण पर सपा व कांग्रेस को आईना दिखाया

अयोध्या को बदनाम और रामजन्मभूमि मंदिर को अपमानित करने वालों के बहकावे में न आएं

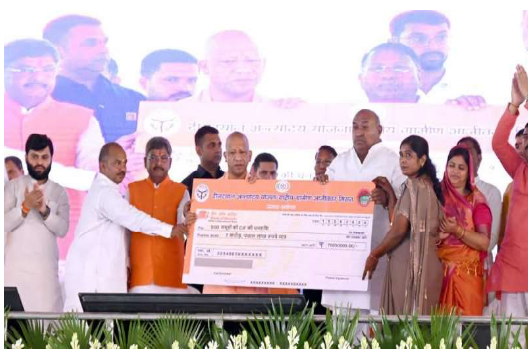

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र प्रकरण पर समाजवादी पार्टी व कांग्रेस को आईना दिखाया। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को नकारने वाले, रामभक्तों पर लाठी–गोली चलाने वाले उपदेश दे रहे हैं। अयोध्या को अपमानित करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। अयोध्या के बारे में समाचार पत्रों से जो जानकारी मिली, उसके बाद ट्रस्ट के अनुरोध पर हमने एसआईटी जांच बैठाई है। एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। एसआईटी की रिपोर्ट आने तक ऐसी कोई बयानबाजी न हो, जो रामभक्तों की भावनाओं को आहत करती हो। यदि किसी के पास डाक्यूमेंट्री प्रूफ हो तो एसआईटी को उपलब्ध करा दें। सीएम ने रामभक्तों से विनम्र अपील की कि प्रभु राम ने हमें मर्यादित रहने का आचरण दिया है, इसलिए मर्यादा का पालन करना चाहिए। हमारे पूर्वजों ने प्रभु के स्थान के लिए मर्यादित रहते हुए 500 वर्षों तक संघर्ष किया है, 15 दिन और इंतजार कर लें। अगर कोई अपराधी है तो यह सुनिश्चित है कि वह कोई भी हो, बचेगा नहीं।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को रुदौली विधानसभा क्षेत्र में राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय व चिकित्सालय समेत 378 करोड़ रुपये से अधिक की 126 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने मां कामाख्या धाम के स्वरूप को और बेहतर करने के लिए विधायक रामचंद्र यादव से प्रस्ताव भी मांगा। उन्होंने भीषण गर्मी में भी कार्यक्रम के प्रति अयोध्यावासियों के उत्साह की सराहना करते हुए उनका आभार प्रकट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या को बदनाम और रामजन्मभूमि मंदिर को अपमानित करने वालों के बहकावे में न आएं। ये लोग कभी नहीं चाहेंगे कि अयोध्या सम्मान पाए, क्योंकि क्षमता विहीन इन लोगों ने तो कुछ किया नहीं। जिन लोगों ने अयोध्या को बिजली नहीं दी और संकरी गलियों में बांधकर रखा, वे लोग आज दुष्प्रचार कर सप्तपुरियों में प्रथम अयोध्या को अपमानित करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं।

धोखे और चुनौतियों के बावजूद असली शिवसेना ने 60 साल पूरे किए: संजय राउत का दावा

शिवसेना (UBT) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि कई चुनौतियों, धोखे और राजनीतिक झटकों का सामना करने के बावजूद पार्टी ने 60 साल का शानदार सफर पूरा किया है। उन्होंने यह बात शिवसेना की डायमंड जुबली (हीरक महोत्सव) के मौके पर कही। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राउत ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को असली शिवसेना बताया और मराठी अधिकारों के लिए एक क्षेत्रीय आंदोलन से राष्ट्रीय राजधानी तक पहुँचने वाली राजनीतिक ताकत बनने तक के इसके सफर को याद किया। राउत ने कहा कि आज शिवसेना की 60वीं वर्षगांठ है, यानी असली शिवसेना की डायमंड जुबली (हीरक महोत्सव) है। शिवसेना ने अब 60 साल का लंबा सफर तय किया है – पहले बालासाहेब ठाकरे के नेतृत्व में और फिर माननीय उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में। पार्टी की शुरुआत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस संगठन की स्थापना 60 साल पहले मराठी लोगों के न्याय और अधिकारों के लिए की गई थी। उस समय लोग मजाक में कहते थे कि यह संगठन, यानी शिवसेना, छह महीने भी नहीं टिकेगा। भविष्यवाणी की गई थी कि शिवसेना कभी मुंबई और ठाणे से बाहर नहीं निकल पाएगी। उन्होंने कहा कि वे सभी अनुमान गलत साबित हुए। शिवसेना ने मुंबई, ठाणे और महाराष्ट्र में जीत हासिल की और आखिरकार दिल्ली तक

नीट पेपर लीक पर टेलीग्राम को झटका, दिल्ली हाई कोर्ट बोला– सरकार का अस्थायी बैन अनुचित नहीं

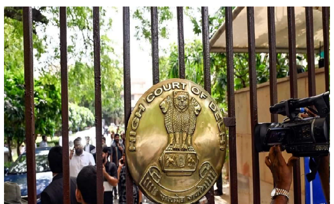

दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा से पहले इंस्टेंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर कुछ समय के लिए रोक लगाने के केंद्र सरकार के फैसले को सही ठहराया। कोर्ट ने कहा कि सरकार के उठाए गए कदम परीक्षा में गड़बड़ी की चिंताओं को दूर करने के लिए उचित और खास तौर पर इसी मकसद से तय किए गए थे। जस्टिस तेजस करिया ने यह फैसला सुनाया और टेलीग्राम की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट, 2000 की धारा 69। के तहत जारी ब्लॉकिंग ऑर्डर को चुनौती दी गई थी। फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने कहा कि सरकार के उपाय कम से कम पाबंदी वाले हैं। यह नहीं कहा जा सकता कि आदेश जरूरत से ज्यादा सखध्त है। सरकार ने यह अस्थायी रोक इसलिए लगाई थी क्योंकि उन्हें शक था कि **NEET-UG** विवाद में शामिल संगठित नकल करने वाले नेटवर्क टेलीग्राम का इस्तेमाल कर रहे थे। 3 मई को हुई **NEET-UG** परीक्षा में पेपर लीक और गड़बड़ियों के आरोप सामने आने के बाद उसे रद्द कर दिया गया था और दोबारा परीक्षा कराने का फैसला किया गया था। इस मामले की जांच सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन कर रही है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत का पाकिस्तान पर अब तक का सबसे तीखा हमला, पाकिस्तान को फ्रेंकस्टीन स्टेट बताया

संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भारत ने एक बार फिर पड़ोसी देश पाकिस्तान की आतंक–परस्त नीतियों की धज्जियां उड़ा दी हैं। आर्थिक कंगाली और अंदरूनी सियासत से जूझ रहे पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त की वार्षिक रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान श्कश्मीर रागश अलापने पर भारत ने बेहद आक्रामक और कड़ा रुख अख्तियार किया। न्छ में भारत की युवा राजनयिक अनुपमा सिंह ने पाकिस्तान को श्राइट टू रिप्लाईश (जवाब देने के अधिकार) के तहत आड़े हाथों लेते हुए उसे श्फ्रेंकस्टीन स्टेटश (ऐसा राज्य जो खुद अपने विनाश का कारण बनने वाली ताकतों को पैदा करता है) करार दिया। भारत ने दोटूक कहा कि जिस देश ने खुद आतंकवादियों को पाला–पोसा, आज जब वही ताकतें उस पर पलटकर वार कर रही हैं, तो वह खुद को श्विक्टिमश (पीड़ित) बताकर दुनिया की हमदर्दी बटोरने का पाखंड कर रहा है। 'पाकिस्तान एक फ्रेंकस्टीन स्टेट है': भारत ने पाकिस्तान पर आतंकवाद का समर्थन करने की नीति अपनाने और साथ ही खुद को आतंकी हमलों का शिकार बताने का आरोप लगाया। सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के अपने नेताओं ने अतीत में आतंकवादियों को पनाह देने और उन्हें ट्रेनिंग देने के बारे में खुलकर बात की है। इसी का जिक्र करते हुए उन्होंने पाकिस्तान को एक ष्फ्रेंकस्टीन स्टेटष बताया, जिसे तब हैरानी होती है जब जिन ताकतों को उसने खुद बनाया, वे ही उसके खिलाफ हो जाती हैं। भारतीय राजनयिक ने कहा ष्और फिर भी, पाकिस्तान खुद को आतंकवाद का शिकार बताता है। सचमुच, एक विरोधाभास, जिसे सिर्फ पाकिस्तान ही बनाए रख सकता है। यह एक फ्रेंकस्टीन स्टेट का जीता–जागता उदाहरण है, जिसे तब हैरानी होती है जब उसका अपना ही राक्षस पलटकर हमला करता है। भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हो रही घटनाओं, खासकर रावलकोट में हालिया अशांति पर भी ध्यान दिलाया। भारतीय राजनयिक के अनुसार, ष्सालों के दमन, आजादी पर पाबंदियों और सखध्त नीतियों ने इस इलाके में लोगों के बढ़ते गुस्से को हवा दी है।ष उन्होंने तर्क दिया कि बुनियादी अधिकारोंऔर बेहतर जीवन स्थितियों की मांगों का अक्सर बल प्रयोग से जवाब दिया गया है। उन्होंने कहा रावलकोट में जारी त्रासदी, सैकड़ों नागरिकों की हत्या और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर में बेरहमी से की गई कार्रवाई, जबरदस्ती कब्जे और दमन के जरिए बनाए गए सिस्टम का ही नतीजा है। ष्दशकों से सेना द्वारा जमीन हड़पने, डेमोग्राफिक इंजीनियरिंग (जनसांख्यिकीय बदलाव) और बुनियादी आजादी से वंचित रखने के कारण हालात ऐसे हो गए हैं कि रोटी, बिजली, अधिकारों और सम्मान की मांगों का भी गोलियों और बर्बरता से जवाब दिया जाता है।

ऑपरेशन शेरुवाली का 28वां दिन, राजौरी में आतंकियों पर चारों तरफ से वार, सेना ने बनाया अभेद्य चक्रव्यूह

जम्मू–कश्मीर में राजौरी के दोरिमल जंगलों में आतंकवाद के खिलाफ चल रहा महाअभियान अब 28वें दिन में प्रवेश कर चुका है। मंझाकोट सेक्टर के गंभीर मुगलान इलाके में फैले घने और खतरनाक जंगल इस वक्त बारूद, गोलियों और जवानों के अदम्य साहस के गवाह बने हुए हैं। ऑपरेशन शेरुवाली ने अब ऐसा रूप ले लिया है, जिसने सीमा पार बैठे आतंक के आकाओं की नींद उड़ा दी है। हम आपको बता दें कि दोरिमल की पहाड़ियां वह दुर्गम इलाका है जहां हर कदम मौत के साये में उठाया जा रहा है। ऊंची ढलानें, फिसलन भरी चट्टानें, घनी झाड़ियां और गहरी खाइयां सुरक्षा बलों की राह रोकने की लगातार कोशिश कर रही हैं, लेकिन जवानों का हौसला हर चुनौती पर भारी पड़ रहा है। आतंकियों को खत्म करने के लिए सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को लोहे के शिकंजे में जकड़ दिया है। सुरक्षा एजेंसियों ने जंगल के हर कोने को खंगालने के लिए जबरदस्त तलाशी और घेराबंदी अभियान तेज कर दिया है। सेना, पुलिस और दूसरी एजेंसियां मिलकर लगातार जंगलों में दबिश दे रही हैं। किसी भी संदिग्ध हलचल को पकड़ने के लिए निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। इलाके में लगातार गश्त, खोजी अभियान और क्षेत्रीय नियंत्रण की कार्रवाई जारी है। सुरक्षा बलों का साफ संदेश है कि आतंकियों के लिए अब बच निकलने का कोई रास्ता नहीं छोड़ा जाएगा। हम आपको बता दें कि मई के आखिर में शुरू हुआ यह अभियान अब राजौरी के इतिहास के सबसे लंबे आतंक विरोधी अभियानों में गिना जाने लगा है। यह केवल जंगलों में छिपे आतंकियों की तलाश नहीं, बल्कि सीमा पार से घुसपैठ कर भारत की शांति को बिगाड़ने की हर साजिश को कुचलने की निर्णायक मुहिम है। सूत्रों के अनुसार, आतंकियों ने दोरिमल और गंभीर मुगलान के घने जंगलों को अपनी पनाहगाह बना रखा था।

ओपी राजभर ने फिर किया बड़ा दावा: अखिलेश यादव की सपा में होगी फूट, असली चाचा लेंगे कमान

उत्तर प्रदेश के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यादव लोग राजभर और मौर्य समुदायों को अपने से कमतर समझते हैं। उन्होंने अपनी इस बात को भी दोहराया कि समाजवादी पार्टी टूटने की कगार पर है और कहा कि पार्टी के बचे हुए संगठन की कमान आखिरकार श्असली चाचाश ही संभालेंगे। उनके ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी के भीतर बड़ी बगावत की उनकी हालिया बातों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। विपक्षी पार्टी ने इन आरोपों का पुरजोर खंडन किया है और राजभर पर बीजेपी के नेतृत्व वाले छक। के इशारे पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया है। एक्स पर एक पोस्ट में राजभर ने आरोप लगाया कि राम गोपाल यादव लंबे समय से गैर–यादव पिछड़ी जातियों के नेताओं को नीची नजर से देखते रहे हैं। राजभर ने लिखा कि पूरे बहुजन समाज ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और मेरे लिए अहंकारी रामगोपाल यादव के कहे शब्द सुने और देखे हैं। रामगोपाल यादव ने हमेशा राजभर और मौर्य को यादवों से कमतर समझा है।

शांति सभी के लिए अच्छी: यूएस–ईरान डील पर बोले शशि थरूर, भारत को मिलेगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि एक ष्शांति–प्रिय देशष के तौर पर भारत को इस घटनाक्रम का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि इससे देश और दुनिया दोनों को फायदा होगा। समझौते के महत्व पर बात करते हुए थरूर ने कहा कि इससे उन जरूरी चीजों की सप्लाई फिर से शुरू हो सकेगी जो टकराव की वजह से रुक गई थीं। पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि बात यह है कि हमारे देश को इस तरह के हालात का काफी अनुभव रहा है। एशिया में, यहाँ तक कि दक्षिण कोरिया में भी फैक्टरियाँ बंद हो रही थीं। इसलिए, ऐसे हालात में जब कोई समाधान निकलता है और शांति आती है, तो यह सभी के लिए अच्छा होता है, दुनिया के लिए अच्छा होता है। उन्होंने भारत के लिए आर्थिक फायदों पर भी जोर दिया, खघसकर जरूरी चीजों के आयात के मामले में। थरूर ने आगे कहा कि हमें उम्मीद है कि इसके बाद, हमारे तेल और गैस, हमारे फर्टिलाइजर, हमारे एल्युमीनियम की सप्लाई जो वहाँ से आती थी और जो सप्लाई वहाँ फंसी हुई थी, वे सभी आ पाएँगी। इसलिए, जब यह सब हो जाएगा, तो मुझे लगता है कि पूरे देश और दुनिया को इससे फायदा होगा। ग्लोबल स्टेबिलिटी पर भारत का रुखध दोहराते हुए उन्होंने कहा, ष्मेरी राय में, हम एक शांति–प्रिय देश हैं और हमें निश्चित रूप से इसका समर्थन करना चाहिए। उनकी ये बातें तब सामने आई हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने वर्चुअली 14–पॉइंट वाले मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर साइन किए हैं।

नीट यूजी : केजरीवाल ने छात्रों का बढ़ाया हौसला, बोले– आप सफल होंगे, बस आत्मविश्वास रखें

नई दिल्ली। 21 जून को होने वाली NEET UG की दोबारा परीक्षा से पहले, AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उनसे शांत और आत्मविश्वास से भरे रहने को कहा। परीक्षा देने वाले छात्रों से बात करते हुए, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने उन्हें सलाह दी कि वे पिछले कुछ महीनों में की गई अपनी कड़ी मेहनत पर भरोसा रखें और परीक्षा के दिन बेवजह तनाव न लें। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे नतीजे की चिंता करने के बजाय अपनी तैयारी पर ध्यान दें।

केजरीवाल ने कहा कि NEET जैसी हाई–प्रेशर वाली परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आत्मविश्वास, संयम और अपनी कोशिशों पर भरोसा बहुत जरूरी है। यह परीक्षा पूरे भारत में अंडरग्रेजुएट मेडिकल और डेंटल कोर्स में दाखिले का जरिया है। लाखों उम्मीदवार दोबारा होने वाली परीक्षा में शामिल होने वाले हैं, ऐसे में उन्होंने छात्रों से सकारात्मक सोच रखने और पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने की अपील की। अपना संदेश खत्म करते हुए केजरीवाल ने उम्मीदवारों का हौसला बढ़ाते हुए कहा, आप यह कर सकते हैं। केजरीवाल ने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों को अपनी महीनों की मेहनत पर भरोसा रखना चाहिए और परीक्षा के दिन बेवजह का दबाव नहीं लेना चाहिए। उन्होंने उम्मीदवारों से सकारात्मक रहने और नतीजे की चिंता किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की अपील की। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट भारत की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में से एक है, जो देश भर में अंडरग्रेजुएट मेडिकल और डेंटल कोर्स में दाखिले का जरिया है। हर साल, लाखों छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों में सीमित सीटों के लिए मुकाबला करते हैं। केजरीवाल ने कहा कि मुझे पता है कि आपने बहुत कुछ झेला है।

सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ पयागपुर की बड़ी पहल, 150 से अधिक बालिकाओं को लगी एचपीवी वैक्सीन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर (बहराइच)। बालिकाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए पयागपुर ब्लॉक में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान के तहत व्यापक स्तर पर विशेष सत्रों का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत क्षेत्र के 40 उपकेंद्रों पर टीकाकरण सत्र संचालित कर 150 से अधिक बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन की खुराक दी गई।स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने एएनएम, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से घर–घर जाकर लोगों को जागरूक किया और अभिभावकों को वैक्सीन के महत्व की जानकारी दी। अभियान के दौरान बालिकाओं और उनके अभिभावकों को बताया गया कि एचपीवी संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण माना जाता है तथा समय पर टीकाकरण इस गंभीर बीमारी से बचाव का प्रभावी माध्यम है।स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन बालिकाओं को भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे से काफी हद तक सुरक्षित रखने में मदद करती है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी पात्र बेटियों का समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं, ताकि उन्हें गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके।इस अभियान को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग की टीमों, आशा बहुओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। क्षेत्र में चलाए गए जागरूकता प्रयासों के चलते लोगों ने अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया और टीकाकरण के प्रति सकारात्मक रुख दिखाया।

करोड़ो भारतीयों के उम्मीद हैं राहुल गांधी– विश्वनाथ चौधरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का 56 वां जन्म दिन उत्साह और संकल्पों के साथ मनाया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के नेतृत्व में पदाधिकारी, कार्यकर्ता बनकटा स्थित वृद्धा आश्रम पहुंचें और वृद्ध जनों में फल वितरित कर राहुल गांधी के सुदीर्घ जीवन की कामना किया गया।वृद्ध जनों में फल वितरण के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि ईमानदारी, सहानुभूति और उम्मीद की तलाश कर रही नयी पीढ़ी के लिए राहुल गांधी मजबूत आवाज बन गए हैं। एक अधिक दयालु, निष्पक्ष भारत और हर दिल में 'मोहब्बत की दुकान' के लिए निरन्तर संघर्ष करने वाले राहुल गांधी करोड़ो भारतीयों के उम्मीद हैं। वह दिन अब दूर नहीं जब भारत के प्रधानमंत्री के रूप में वे भारत को समर्थ दिशा देंगे।पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू', वृजेश आर्य, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, शौकत अली नन्हू, संदीप श्रीवास्तव, अलीम अख्तर ने कहा कि युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए अथक संघर्ष करने वाले राहुल गाधी पूरे देश में उन लोगों की सशक्त आवाज बन गए हैं, जिनकी बात पहले सुनी नहीं जाती थी। संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता लाखों लोगों को प्रेरित करती रहती है। वे विपरीत समय में विपक्ष के नेता के रूप में आम आदमी की सशक्त आवाज हैं। देश और कांग्रेस को उनसे बहुत उम्मीद है।राहुल गांधी के जन्म दिन पर वृद्धा आश्रम में वृद्ध जनों में फल वितरण के दौरान मुख्य रूप से साधू शरन आर्य, गिरजेश पाल, अवधेश सिंह, रामधीरज चौधरी, राहुल चौधरी, राज बहादुर निषाद, सोमनाथ संत, जमील कादरी, गंगा मिश्र, राम बचन भारती, मंजू पाण्डेय, उमेश उपाध्याय, अनिल पाण्डेय, के.के. गोयल, पिन्टू बाबा, सेराज अहमद, विश्वजीत शुभम, अभिषेक सिंह सूर्यबंशी के साथ ही कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में बड़ा कदम, तेजवापुर में 161 किशोरियों का हुआ एचपीवी टीकाकरण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर और एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) संक्रमण से होने वाली गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) तेजवापुर के अंतर्गत विशेष एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत विकासखंड के 36 उप स्वास्थ्य केंद्रों पर 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 161 किशोरियों का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया।अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने टीकाकरण के साथ–साथ किशोरियों एवं उनके अभिभावकों को एचपीवी वैक्सीन के महत्व और इससे मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी जागरूक किया। सीएचसी तेजवापुर की अधीक्षक डॉ. आकांक्षा राय ने विभिन्न टीकाकरण स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।डॉ. आकांक्षा राय ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर सहित एचपीवी संक्रमण से जुड़ी कई गंभीर बीमारियों से बचाव में प्रभावी है। सरकार द्वारा पात्र किशोरियों को यह टीका निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान सभी केंद्रों पर व्यवस्थाएं संतोषजनक रहीं और बड़ी संख्या में किशोरियों ने टीकाकरण का लाभ उठाया।उन्होंने जानकारी दी कि प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को उप स्वास्थ्य केंद्रों पर तथा रविवार को आयोजित आरोग्य मेलों में भी पात्र किशोरियों का एचपीवी टीकाकरण किया जाएगा। साथ ही अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों का समय पर टीकाकरण कराकर उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने में सहयोग करें।हुसैनपुर उप स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित टीकाकरण सत्र में एएनएम संध्या कुमारी ने किशोरियों को वैक्सीन लगाई और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की। वहीं सीएचओ निधि प्रजापति ने अभिभावकों को जागरूक करते हुए समय पर टीकाकरण कराने का आह्वान किया।स्वास्थ्य विभाग का यह अभियान किशोरियों के बेहतर स्वास्थ्य और सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

पल्स पोलियो अभियान अंतर्गत अंतर्विभागीय समन्वय समिति की हुई बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर बहराइच। आगामी पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने ज्ट के लिए तहसील मुख्यालय पर अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता उपजिलाधिकारी पयागपुर अश्वनी पाण्डेय ने की। बैठक का संचालन बीपीएम अनुपम शुक्ल ने किया। बैठक में स्वास्थ्य कार्यक्रमों राष्ट्रीय पोलियो अभियान, बाल स्वास्थ पोषण माह, नियमित टीकाकरण एवं किशोरी बालिकाओं के एचपीवी टीकाकरण हीट वेव एवं संचारी रोग नियंत्रण दस्तक अभियान माह जुलाई के सुचारू संचालन के लिए दिशा निर्देशों से सभी को अवगत कराया गया।सीएचसी अधीक्षक डॉ धीरेन्द्र तिवारी ने बताया कि रविवार 28 जून से 03 जुलाई तक शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा स्वास्थ्य कर्मी घर– घर जाकर पिलाएंगे। उन्होंने बताया कि 06 जुलाई को अवशेष चिन्हित बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। बैठक में एसडीएम पयागपुर ने स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी सहित शिक्षा, बाल विकास और नगर पंचायत के अधिकारी कर्मचारी से अभियान को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने स्तर से जन जागरूकता रैली आयोजित कर सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा पल्स पोलियो से वंचित न रह सके संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम की गतिविधियां कार्य योजना अनुसार समय से पूर्ण कर ली जाए कार्ययोजना की प्रति स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराई जाए।बैठक में निशांत राणा नायब तहसीलदार अधीक्षक हुजूरपुर डॉ आभास अंकुर श्रीवास्तव डॉ अरुण मौर्य एडीओ पंचायत तेज नारायण राव एमपी सिंह धर्मेंद्र मिश्रा, डब्ल्यूएचओ से अविनाश अवस्थी एवं वैभव शुक्ला, आईसीडीएस से शशिबाला सिंह,सपना मौर्य, साधना द्विवेदी सत्यपाल यादव नगर पंचायत से शिक्षा विभाग से सुनील त्रिपाठी कमलेश मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

उद्योग व्यापार प्रतिनधि मण्डल कार्यकारिणी का विस्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शुक्रवार को उद्योग व्यापार प्रतिनधि मण्डल उत्तर प्रदेश के जिला कार्यकारिणी का विस्तार स्थानीय ब्लाक रोड स्थित एक होटल के सभागार में किया गया। जिलाध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया आगामी सात जुलाई को कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह आयोजित किया जायेगा।उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एवं मण्डल प्रभारी हरिमूर्ति सिंह मनोज ने बताया कि संगठन व्यापारियों की हर जरुरतों को ध्यान में रखकर व्यापारी हितों के लिए तत्पर है। उन्होंने बताया कि कार्यकारिणी विस्तार में महिला मोर्चा सहित 17 पदाधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है।जिला अध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि कार्यकारिणी विस्तार में राजकुमार चौधरी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुनील मिश्र को जिला मंत्री, हिमांशु कसौधन को जिला संगठन मंत्री, उदयभान अग्रहरि, प्रदीप गुप्ता को जिला मंत्री, राम गोपाल सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सरफराज अहमद को संगठन मंत्री, तेज प्रकाश शुक्ल को जिला मंत्री, हेमन्त मिश्र पियूष को जिला उपाध्यक्ष, मो. नदीम को नगर कोषाध्यक्ष, बृजेश कुमार चौहान को जिला महामंत्री, कुलदीप श्रीवास्तव को जिला वरिष्ठ संगठन मंत्री, अवधेश कुमार निषाद को नगर मंत्री, संजय कुमार गुप्ता को नगर संगठन महामंत्री, डब्लू श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष, आकाश सोनी को युवा मंच का जिला उपाध्यक्ष एवं श्रीमती संध्या गोस्वामी को महिला मोर्चा का महामंत्री बनाया गया है।कार्यक्रम में मुख्य रूप से राणा महेंद्र प्रताप, महेंद्र गुप्ता, धीरेंद्र चौधरी, सत्य प्रकाश द्विवेदी वंदना वर्मा अभिषेक गुप्ता कृष्ण चौहान प्रदीप सिंह कमलेश चौधरी आदि उपस्थित रहे।

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 के .ष्टिगत शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव ने किया। शिविर का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को योग के महत्व से अवगत कराते हुए उनके शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को सु.ढ़ बनाना था।योग शिविर में पुलिस अधीक्षक ने स्वयं उपस्थित होकर अधिकारियों और कर्मचारियों को नियमित रूप से योग एवं प्राणायाम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की व्यस्त एवं तनावपूर्ण जीवनशैली में योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम है, बल्कि मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा का भी स्रोत है। उन्होंने योग को भारतीय संस्‍ति की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि आज पूरा विश्व इसकी उपयोगिता को स्वीकार कर रहा है।कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विधियोंका अभ्यास कराया। पुलिस कर्मियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लेते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। शिविर में ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन, अनुलोम–विलोम, कपालभाति तथा ध्यान संबंधी विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास कराया गया और उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी भी दी गई।एसपी ने कहा कि पुलिस कर्मी दिन–रात समाज की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनका शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। नियमित योगाभ्यास तनाव को कम करने, कार्यक्षमता बढ़ाने और सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायक होता है।इस अवसर पर पुलिस लाइन के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, पुलिस कर्मचारी तथा अन्य स्टाफ बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने सामूहिक योगाभ्यास कर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संदेश ष्स्वस्थ आयु के लिए योगष को आत्मसात करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम का समापन स्वस्थ जीवन, अनुशासित दिनचर्या और नियमित योगाभ्यास के संकल्प के साथ हुआ। पुलिस विभाग की इस पहल को उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सराहा तथा इसे स्वास्थ्य जागरूकता और फिट इंडिया अभियान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

नानपारा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी के मुकदमे में दो आरोपी गिरतार, जेवरात व नकदी बरामद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली नानपारा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी के एक मुकदमे से संबंधित दो आरोपियों को गिरतार कर उनके कब्जे से चोरी गए जेवरात एवं नकदी बरामद की है।पुलिस के अनुसार 8 जून 2026 को नानपारा क्षेत्र के टीचर कॉलोनी निवासी .षिराम यादव ने घर में चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित परिवार सहित रिश्तेदारी में गया हुआ था। वापस लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और जांच करने पर सोने की कील, चांदी की पायलें, बच्चों की बालियां तथा नकदी गायब मिली। मामले में थाना कोतवाली नानपारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना पर 19 जून की सुबह पुलिस टीम ने सिंघिया धर्म कांटा के पास से दो वांछित आरोपियों को गिरतार कर लिया। गिरतार आरोपियों की पहचान निसार पुत्र मोहम्मद हुसैन (36 वर्ष) निवासी मोहल्ला घसियान टोला कस्बा नानपारा तथा ताज पुत्र छद्दू (38 वर्ष) निवासी मेहतरान टोला, नानपारा के रूप में हुई है।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की तीन जोड़ी पायल, एक जोड़ी कील तथा 2200 रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरतारी एवं बरामदगी की कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय भेज दिया गया।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी नानपारा पुष्प सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजनाथ सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा की गई। पुलिस की इस सफलता से क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

लटके हाईटेंशन तार की चपेट में आने से छात्र की मौत, बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। चिलहिया थाना क्षेत्र के सिरवत गांव में बुधवार की शाम एक दर्दनाक हादसे में 10वीं कक्षा के छात्र की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने हादसे के लिए बिजली विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए नाराजगी जताई है।जानकारी के अनुसार, सिरवत गांव निवासी अनुराग त्रिपाठी (16) पुत्र अरुण कुमार त्रिपाठी बुधवार देर शाम घर से दक्षिण दिशा में स्थित नहर के पास घूमने गया था। बताया जाता है कि वहां से गुजरने वाली 33 हजार वोल्टेज की पुरानी हाईटेंशन लाइन का एक जर्जर तार काफी समय से नीचे लटका हुआ था।ग्रामीणों के मुताबिक, इसी क्षेत्र से हाल ही में 11 केवी की नई विद्युत लाइन भी गुजारी गई है, जिससे गांव में बिजली आपूर्ति की जा रही है। आशंका है कि बंद पड़ी हाईटेंशन लाइन का जर्जर तार नई लाइन के संपर्क में आ गया था। इसी दौरान अनुराग उसके संपर्क में आ गया और तेज करंट की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। आक्रोशित परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि बाणगंगा नहर से शोहरतगढ़ तक जाने वाली 33 हजार वोल्टेज की पुरानी लाइन लंबे समय से बंद है, लेकिन उसके जर्जर पोल और लटकते तार आज भी लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं।ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया गया था, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि विभागीय अधिकारियों की अनदेखी और लापरवाही के कारण एक मासूम छात्र की जान चली गई।घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों ने जर्जर विद्युत लाइनों को तत्काल हटाने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं प्रशासनिक स्तर पर मामले की जानकारी जुटाई जा रही है।

मनरेगा घोटाले में प्रशासक और तकनीकी सहायक पर कार्रवाई, डीएम ने दिए रिकवरी के आदेश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जोगिया विकास खंड की ग्राम पंचायत हरैया में मनरेगा कार्यों में वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आने के बाद जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मिट्टी पटाई और चक रोड निर्माण कार्यों में 84,735 रुपये से अधिक के अतिरिक्त भुगतान की पुष्टि होने पर संबंधित जिम्मेदारों से सरकारी धन की वसूली का आदेश जारी किया गया है।जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत हरैया निवासी कपिलदेव ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर मनरेगा के तहत कराए गए विभिन्न कार्यों में अनियमितता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने जिला उद्यान अधिकारी तथा ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अवर अभियंता को जांच सौंपी थी।जांच रिपोर्ट में छह विभिन्न कार्यों में क्रमशः 11,119.51 रुपये, 21,247.29 रुपये, 15,721.86 रुपये, 14,695.75 रुपये, 13,804.56 रुपये तथा 8,147.61 रुपये का अतिरिक्त भुगतान किया जाना पाया गया। कुल मिलाकर 84,735 रुपये की वित्तीय अनियमितता की पुष्टि हुई।रिपोर्ट मिलने के बाद जिलाधिकारी ने तत्कालीन ग्राम प्रधान एवं वर्तमान प्रशासक अब्दुल कय्यूम को उत्तरदायी मानते हुए कुल अधिक भुगतान राशि का एक तिहाई हिस्सा वसूलने के निर्देश दिए हैं। साथ ही शेष दो तिहाई धनराशि की वसूली संबंधित ग्राम सचिव और तकनीकी सहायक से किए जाने के लिए जिला विकास अधिकारी तथा उपायुक्त श्रम रोजगार को निर्देशित किया गया है। आदेश के अनुसार तीनों जिम्मेदारों से लगभग 28,245–28,245 रुपये की रिकवरी की जाएगी।मामले में तत्कालीन प्रधान एवं वर्तमान प्रशासक की ओर से यह दलील दी गई कि ग्राम पंचायत बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में स्थित है और बारिश तथा बाढ़ के कारण मिट्टी का कुछ हिस्सा बह जाना स्वाभाविक है। हालांकि जांच टीम ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और रिपोर्ट के आधार पर वित्तीय अनियमितता की पुष्टि की गई।जिलाधिकारी की इस कार्रवाई को मनरेगा कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि सरकारी धन के दुरुपयोग के मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

जिलाधिकारी के निर्देश पर नियम विरुद्ध आवासीय पट्टों का निरस्तीकरण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशों के क्रम में तहसील रावर्टसगंज राजस्व ग्राम लसड़ा में राजस्व अभिलेखों, उपलब्ध साक्ष्यों एवं आवास आवंटन पट्टा संबंधी कार्यवाहियों की विस्तृत जांच एवं परीक्षण कराया गया। जांच के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि ग्राम सभा की भूमि पर किए गए कुछ आवासीय पट्टों का आवंटन निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप नहीं किया गया था। संबंधित प्रकरण में सक्षम न्यायालय द्वारा अभिलेखीय साक्ष्यों, राजस्व अभिलेखों तथा आवंटन प्रक्रिया के परीक्षण के उपरांत पारित आदेश में नियम विरुद्ध पाए गए आवासीय पट्टों को निरस्त कर दिया गया है। साथ ही वादग्रस्त भूमि को उसके मूल राजस्व स्वरूप में बहाल करने के निर्देश दिए गए हैं। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में संबंधित भूमि को पुनः अभिलेखों में पूर्ववत श्रेणी–5(3) बंजर खाते में दर्ज किए जाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसके अतिरिक्त यदि प्रकरण में कोई स्थगन आदेश प्रभावी हो तो उसके निरस्तीकरण के उपरांत आवश्यक राजस्व कार्यवाही संपादित की जाएगी। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने स्पष्ट कहा है कि सरकारी भूमि, राजस्व अभिलेखों एवं सार्वजनिक संपत्तियों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता, नियमों की अवहेलना अथवा अवैध लाभ प्राप्त करने के प्रयासों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्राम समाज एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि की नियमित निगरानी की जाए तथा भूमि से संबंधित सभी मामलों में पूर्ण पारदर्शिता एवं विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित किया जाए।

ग्राम पंचायत के विकास में शिक्षा और स्वास्थ्य की है अहम भूमिका : जफर आलम

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शासन की मंशा के अनुरूप ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से शुक्रवार को विकास खंड शोहरतगढ़ की ग्राम पंचायत रमवापुर (खास) में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में ग्रामीणों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा उनकी समस्याएं सुनी गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ग्राम प्रधान एवं प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष जफर आलम ने कहा कि ग्राम चौपाल का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का गांव स्तर पर ही समाधान सुनिश्चित करना है, जिससे लोगों को अनावश्यक भागदौड़ न करनी पड़े। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत के सभी विद्यालयों में बेंच की व्यवस्था करा दी गई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं के विकास से ही ग्राम पंचायत को आदर्श एवं विकसित बनाया जा सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सुविधाओं का लाभ लेने, मासिक बैठकों में नियमित रूप से शामिल होने तथा शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण यदि कोई बच्चा शिक्षा से वंचित रहता है तो उसके शिक्षण की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत उठाने को तैयार है। ग्राम सचिव निशा श्रीवास्तव ने जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए 21 दिनों के भीतर आवेदन करने की अपील करते हुए राशन कार्ड, फैमिली आईडी, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, किसान सम्मान निधि, व्यक्तिगत शौचालय योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटना सहायता योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना तथा मातृ वंदना योजना सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। चौपाल में बाल विकास परियोजना की मालती देवी, ग्राम रोजगार सेवक सूर्य प्रकाश, पंचायत सहायक कृष्ण मोहन गिरी, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री शांति देवी, मिथिलेश गिरी, चंद्रप्रभा चौधरी, नंदनी, सरिता, लक्ष्मी देवी, सफाईकर्मी कन्हैया लाल, प्रदीप कुमार, सुखबली, विजयराम एवं केयरटेकर किरन यादव सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

अधिकारियों की अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी

ग्राम प्रधान जफर आलम ने चौपाल में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों की गैरमौजूदगी के कारण शासन की योजनाओं की सही जानकारी ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पाती, जिससे पात्र लोगों को योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पाता। उन्होंने भविष्य में सभी संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की मांग की है।

बस्ती को 'वेस से स्पेस' तक ले जाने का संकल्प, एक वर्ष में जिले को पूर्ण डिजिटल बनाने की तैयारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जिले के विकास और युवाओं व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक नई पहल की घोषणा करते हुए पहल संस्था के प्रमुख मनीष मिश्रा ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बस्ती को "वेस से स्पेस" तक ले जाने का संकल्प लेकर संस्था लगातार नए कदम उठा रही है। इसी क्रम में जिले के विकास, डिजिटल सशक्तिकरण, महिला रोजगार और युवाओं के उत्थान को लेकर ऐतिहासिक फैसले किए गए हैं। शहर के एक रेस्टोरेंट में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान मनीष मिश्रा ने बताया कि हाल ही में जिले में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई, जिसमें 2100 महिलाओं ने एक साथ सोहर गीत गाकर जिले के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने का प्रयास नहीं है, बल्कि महिलाओं की भागीदारी और उनकी सामूहिक शक्ति को भी प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि बस्ती जिले को अगले एक वर्ष के भीतर पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इस अभियान के तहत गांवों तक डिजिटल सुविधाएं पहुंचाने, युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ डिजिटल माध्यम से लोगों तक उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल परिवर्तन से शिक्षा, रोजगार और प्रशासनिक व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव

आएगा। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर मनीष मिश्रा ने कहा कि संस्था की ओर से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि "राम जी का पेड़ा" और झोला निर्माण से जुड़े कार्यों के लिए कई महिलाओं को सिलाई मशीनें प्रदान की जा चुकी हैं। इसके माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकेंगी। उन्होंने कहा कि संस्था का लक्ष्य केवल सहायता देना नहीं बल्कि लोगों को रोजगार से जोड़ना है। इसी कड़ी में आने वाले समय में 100 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को उनकी क्षमता और योग्यता के अनुसार रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और जिले के विकास में अपनी भूमिका निभा सकें। खेल के क्षेत्र में भी पहल संस्था नई योजनाओं पर कार्य कर रही है। मनीष मिश्रा ने बताया कि अगस्त माह में जिले के सभी गांवों में क्रिकेट किट का वितरण किया जाएगा। उनका कहना था कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है और ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना संस्था की प्राथमिकता है। महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करने के उद्देश्य से आचार, सिरका और मुरब्बा निर्माण जैसे लघु उद्योगों की शुरुआत भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को घर बैठे रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और वे अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकेंगी। शिक्षा के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की गई। उन्होंने बताया कि "बीर सावरकर स्कॉलरशिप योजना" के अंतर्गत हजारों मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित करना है, ताकि वे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। इसके अलावा अगले माह छात्रों को लैपटॉप वितरण करने की भी योजना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय तकनीक का युग है और विद्यार्थियों को डिजिटल संसाधनों से जोड़ना समय की आवश्यकता बन गई है। लैपटॉप मिलने से छात्रों को पढ़ाई और तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिलेगी। प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना और जिले को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में बस्ती जिले में शिक्षा, रोजगार, खेल और डिजिटल क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिलेगा। प्रेसवार्ता के दौरान इस अवसर पर उनके साथ संजय मिश्रा, जीडी मिश्रा, अमित चौबे सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे। सभी ने संस्था की योजनाओं और भविष्य की रूपरेखा पर अपने विचार साझा किए तथा जिले के विकास और सामाजिक उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, पोती के विवाह से पहले बुजुर्ग की दर्दनाक मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। विकास खंड खेसरहा क्षेत्र के ग्राम बेलवालगुनही (बेलौहा) निवासी 86 वर्षीय छबिलाल गुप्ता का शव ब्लॉक मुख्यालय परिसर में फांसी के फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। इस हृदयविदारक घटना से परिवार और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।बताया जाता है कि छबिलाल गुप्ता 18 जून की शाम करीब 7 बजे घर से नाराज होकर कहीं चले गए थे। परिजन उनकी तलाश में जुटे रहे और लोगों से सहयोग की अपील भी की गई थी, लेकिन शुक्रवार को उनका शव ब्लॉक मुख्यालय परिसर में मिलने की सूचना मिली। सबसे मार्मिक बात यह है कि उनके परिवार में उनकी पोती की शादी परसों होनी है। शादी की तैयारियों और खुशियों के बीच हुई इस दुखद घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। जिस घर में शहनाई बजने की तैयारी थी, वहां अब मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव के लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं। अचानक हुई इस घटना से बेलवालगुनही गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक का

माहौलहै। थाना प्रभारी खेसरहा अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी।घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की गई। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। परिजनों की सहमति एवं कानूनी प्रक्रिया के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। मामले की जांच की जा रही है।

दूध और दुग्ध उत्पादों की जांच को लेकर खाद्य विभाग की छापेमारी, छह नमूने भेजे गए प्रयोगशाला

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जनपद में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में छापेमारी कर दूध एवं दुग्ध उत्पादों के नमूने संग्रहित किए। यह कार्रवाई आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश तथा जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर के निर्देश पर की गई।सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय आर.एल. यादव के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के सचल दल ने बांसी, जोगिया और नौगढ़ क्षेत्र में निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान बांसी बाजार से पनीर का एक नमूना लिया गया। वहीं गोनहाताल, बांसी से दूध और दही के एक–एक नमूने संग्रहित किए गए।इसी क्रम में जोगिया क्षेत्र के नादेपार से दूध का एक नमूना तथा तेतरी बाजार, नौगढ़ से दूध और दही के एक – एक नमूने लिए गए। इस प्रकार कुल छह नमूने एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम–2006 के प्रावधानों के

तहत नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी अभियान में सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय आर.एल. यादव के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी हीरालाल और नीरज कुमार चौधरी भी मौजूद रहे। विभाग का कहना है कि जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

कैथवलिया से पनघटिया बांध तक जाने वाली सड़क बदहाल, ग्रामीणों में आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश **शशांक मिश्र**

खेसरहा। सिद्धार्थनगर जनपद के खेसरहा विकास खंड क्षेत्र में कैथवलिया से पनघटिया बांध तक जाने वाला संपर्क मार्ग बदहाली की कहानी बयां कर रहा है। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण ग्रामीणों और राहगीरों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वर्षों पहले निर्मित यह मार्ग अब जगह–जगह टूटकर गड्ढों में तब्दील हो चुका है, जबकि सड़क के दोनों किनारों पर उगी झाड़ियां इसकी स्थिति को और गंभीर बना रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख रास्ता है और रोजाना सैकड़ों लोग इसी मार्ग से आवागमन करते हैं। सड़क की मरम्मत लंबे समय से नहीं कराई गई है, जिसके कारण बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। हल्की बारिश में ही सड़क पर कीचड़ भर जाता है और गड्ढों में पानी जमा होने से दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। दोपहिया वाहन चालक अक्सर फिसलकर चोटिल हो जाते हैं, जबकि पैदल चलने वालों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीण रामलखन यादव ने बताया कि सड़क की हालत कई वर्षों से खराब है, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई। सगीर अहमद का कहना है कि सड़क पर उगी झाड़ियां और बड़े–बड़े गड्ढे राहगीरों के लिए लगातार परेशानी का कारण बने हुए हैं। वहीं शिवकुमार त्रिपाठी ने बताया कि बरसात के मौसम में यह मार्ग पूरी तरह कीचड़युक्त हो जाता है, जिससे आवागमन लगभग ठप हो जाता है। मोहम्मद नसीम ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क का निर्माण जिला पंचायत के माध्यम से कराया गया था, लेकिन निर्माण के बाद इसकी देखरेख और मरम्मत की ओर ध्यान नहीं दिया गया। परिणामस्वरूप आज यह मार्ग अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। क्षेत्रवासियों ने जिला पंचायत और संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए, गड्ढों को भरवाया जाए तथा मार्ग के किनारे उगी झाड़ियों की सफाई कराई जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समीक्षा बैठक में, सांसद जगदंबिका पाल ने रखीं क्षेत्रीय विकास की मांगें

गोंडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में महाराजा सुहेलदेव सभागार में बस्ती एवं देवीपाटन मंडल के लोक निर्माण विभाग की विभिन्न विकास परियोजनाओं एवं लंबित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक से पूर्व मुख्यमंत्री ने महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।बैठक में डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल सहित दोनों मंडलों के जनप्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग द्वारा संचालित परियोजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं ताकि जनता को उनका लाभ समय पर मिल सके।इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल ने अपने संसदीय क्षेत्र से संबंधित सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत संरचना विकास योजनाओं के बारे में मुख्यमंत्री को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने क्षेत्र की आवश्यकताओं और जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से उठाते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया।सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश लगातार विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और विकासोन्मुखी सोच के परिणामस्वरूप गांवों से लेकर शहरों तक आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिसका सीधा लाभ आम जनता को मिल रहा है।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश के विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी तथा जनप्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी और सर्वोत्तम राज्य बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे।

सम्पादकीय

इस प्रतिबंध के बाद यूजर्स आसानी से वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क या दूसरे ऐप्स का सहारा ले सकते हैं। निस्संदेह, टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग गलत कामों को अंजाम देने के लिये किया जा सकता है, लेकिन इसकी वजह से तकनीक की उपादेयता को खारिज नहीं किया जा सकता। वहीं दूसरी ओर देश के दूर–दराज के इलाकों में प्रश्न–पत्रों को सुरक्षित पहुंचाने के लिये...

हद से ज्यादा सख्ती से बचे सरकार

मई महीने में नीट प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के बाद केंद्र सरकार अति– सतर्कता के मूड में नजर आ रही है। लीक प्रकरण के पश्चात निशाने पर आने के बाद सरकार कदम फूंक–फूंक कर रख रही है। इसी कड़ी में चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर लगाम लगाने के निर्णय को लेकर विवाद अदालत के दरवाजे तक जा पहुंचा है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये संघर्ष कर रही है। हकीकत यह है कि मई में प्रश्नपत्र लीक होने से मची अफरातफरी और विपक्ष के नेताओं के निशाने पर आने के बाद केंद्र सरकार कोई जोखिम लेने को तैयार नहीं है। निस्संदेह, इस परीक्षा में आयोजक एजेंसियों की विश्वसनीयता और बीस लाख से ज्यादा प्रतिभागियों का भविष्य दांव पर लगा है। यही वजह है कि राष्ट्रीय महत्व की परीक्षाओं को लेकर नीट और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एटीए द्वारा परीक्षार्थियों का भरोसा फिर से कायम करने की कवायद पर पूरा जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रविवार को होने वाली नीट की पुनरूपरीक्षा से ठीक पहले, सरकार का चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर कुछ अवधि के लिये प्रतिबंध लगाना, अति सतर्कता को ही दर्शाता है। सरकार के इस अतिरेक सावधानी वाले रवैये को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार ने अपने इस कदम का पुरजोर बचाव किया है। सरकार की दलील है कि इस क्लाउड–बेस्ड प्लेटफॉर्म का बॉट इंफ्रास्ट्रक्चर लीक हुई सामग्री का तेजी से बड़े पैमाने पर प्रसार करने में मददगार हो सकता है। वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में देशवासियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले पूरे प्लेटफॉर्म को कुछ दिनों के लिये ब्लॉक करने से आनुपातिकता और प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। लोगों का मानना है कि सतर्कता, सावधानी और तंत्र में सुधार कर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है। निस्संदेह, यदि किसी आपराधिक नेटवर्क द्वारा ऐप विशेष के दुरुपयोग की वजह से, उसके असली यूजर्स को परेशानी होती है तो इससे देश में गलत परंपरा की शुरुआत हो सकती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पैरोकार दलील दे रहे हैं कि अगर किसी बड़ी परीक्षा हेतु टेलीग्राम की सेवाएं सस्पेंड की जा सकती हैं तो भविष्य में किसी अन्य मुद्दे पर दूसरे ऐप के विरुद्ध कार्रवाई को भी तार्किक ठहराया जा सकता है। फिर सत्ताधीशों को किसी अन्य ऐप पर अंकुश लगाने का अवसर बार–बार मिल सकता है। सरकारें कानून–व्यवस्था को खतरा बता कर, कार्रवाइयों को जायज ठहरा सकती हैं। तभी मामला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचने पर अदालत ने पूछा है कि 150 मिलियन यूजर्स के अधिकारों में कटौती कैसे की जा सकती है? आलोचक सरकार के रवैये को सिस्टम की विफलता बता रहे हैं। दलील है कि कोई भी प्रश्न पत्र तभी लीक होता हैं, जब परीक्षा से जुड़े कुछ अंदरूनी लोग नकल कराने वाले गिरोहों से मिल जाते हैं। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि टेलीग्राम को ब्लॉक करने से समस्या खत्म नहीं होती है। इस प्रतिबंध के बाद यूजर्स आसानी से वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क या दूसरे ऐप्स का सहारा ले सकते हैं। निस्संदेह, टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग गलत कामों को अंजाम देने के लिये किया जा सकता है, लेकिन इसकी वजह से तकनीक की उपादेयता को खारिज नहीं किया जा सकता। वहीं दूसरी ओर देश के दूर–दराज के इलाकों में प्रश्न–पत्रों को सुरक्षित पहुंचाने के लिये भारतीय वायु सेना को तैनात करने को एक सख्त कदम के रूप में देखा जा रहा है। जो सुरक्षा व्यवस्था को फुलप्रुफ बनाने की कवायद के रूप ध्यान तो खींचता है, लेकिन किसी स्थायी समाधान का विकल्प नहीं बन सकता । निस्संदेह, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और छात्रों का भरोसा जीतने के लिये सरकार द्वारा पूरी परीक्षा प्रणाली में आमूल–चूल परिवर्तन कराने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। किसी भी सरकार के लिये यही बेहतर होगा कि वह अपनी आपातकालीन शक्तियों का उपयोग बेहद पारदर्शी तरीके से और कम से कम करे। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उनका गलत इस्तेमाल न हो सके।

मानसून की दस्तक मगर जागेंगे कब तक

मानसून की कोई कद्र नहीं करना चाहता। सोशल मीडिया में डूबे लोग अनसोशल हो गए हैं। उनके चेतना–शून्य हो जाने से प्रकृति की चौतन्यता खतरे में आ गई है। खबर है कि मानसून ने दस्तक दे दी है। मानसून दस्तक दिए बिना नहीं आता। वह प्रकृति है और सभ्यता उसकी पहचान। ये बात और है कि मानसून की कोई कद्र नहीं करना चाहता। सोशल मीडिया में डूबे लोग अनसोशल हो गए हैं। उनके चेतना–शून्य हो जाने से प्रकृति की चौतन्यता खतरे में आ गई है। पर्यावरण के प्रति उदासीन लोगों से मानसून दुखी रहने लगा है। बावजूद इसके, मानसून आगमन के पूर्व दस्तक जरूर देता है। यह दस्तक बहुत जरूरी है। मौसम विभाग इसे सबसे पहले सुनता है ताकि उनींदे महकमों को जगाया जा सके। जिम्मेदार लोगों को उठाया जा सके। दरअसल, उनकी खा–पीकर ऊंघने और सोने की आदत होती है। वे समस्याओं की चीख–पुकार से भी नहीं उठते। पर मौसम विभाग की दस्तक से जिम्मेदारों को उठना पड़ता है। मजबूरी है। नौकरी और पेट का सवाल जो है। उन्हें याद दिलाया जाता है कि शहर की सड़कों की हालत खराब है। मुंहबाए बेशुमार गड्ढे, साल भर से उबासी लेते हुए 'आभरण–अनशन' पर डटे हुए हैं। उनके भरे जाने की मांगें पूरी करें और आभरण–अनशन समाप्त किया जाए। नाले–नालियों में जमे कचरे को हटाया जाए। उनकी एंजियोप्लास्टी जरूरी है। वर्ना मानसून से शहर को आघात लग सकता है। लोग साल भर से, गड्ढों से बच–बचाकर वाहन दौड़ाने का सर्कस सीख रहे हैं। राहगीर फुदक–फुदक चलने की प्रैक्टिस कर रहे हैं। बहरहाल, मानसून नियम का पक्का है। वह देर–सवेर आता जरूर है। वह दस्तक देकर आगे बढ़ जाता है। मैदानों से होते हुए शहरों की ओर निकल जाता है। पर वहां के हालात देखकर घबरा जाता है। लड़खड़ाने लगता है। सिर पकड़ लेता है। गड्ढों पर जार–जार रोता है। स्कूलों की टपकती छतों से सिसकता है। जलभराव से दिल भर आता है। ढीली व्यवस्थाओं पर गरजता और चमकता है। मानसून मायूसी से भरा हुआ समय काटता है और विदा होने की बाट जोहने लगता है। मानसून की ऐसी दशा मुझसे देखी नहीं जाती। मैं उसे रोकना चाहता हूं। हौले से पूछना चाहता हूं कि मानसून! तुम तो हमेशा से प्यारे रहे हो। कवि की कल्पनाओं को सजाते रहे हो। प्रेमिका के सपनों को भरमाते रहे हो। आओ! जरा बैठो हमारे पास। मैं तुम पर फिर से कविताएं लिखना चाहता हूं। गीत रचना चाहता हूं। अपने शहर पर हरियाली के रंग भर देना चाहता हूं। लोगों को बता देना चाहता हूं कि देखो, मानसून डिजिटल दुनिया में नहीं है। यह साक्षात है। हर साल आता है। शायद लोग समझ जाएं।

हिंदी पत्रकारिता के आकाश में 'छत्तीसगढ़ मित्र' की दीप्ति

वर्तमान हिंदी पत्रकारिता आर्थिक नवजागरण में हिलोरे ले रही है। जबकि सप्रे जी ने सनद्द 1900 में इसे हिंदी–नवजागरण की दिशा में एक प्रस्थान बिंदु की तरह देखा–दिखाया। आज इक्कीसवीं शताब्दी संसाधनों के अतिरेक की शताब्दी है। बदलाव स्वाभाविक प्रक्रिया है। इस शताब्दी के आरम्भ होने के साथ पत्रकारिता ने उपलब्धियों और कामयाबी की असाधारण डगर भी पार की। भारत में मीडिया का उजला चेहरा उसकी ...

हिंदी पत्रकारिता की दो सौ वर्षों की यात्रा में पं. माधवराव सप्रे द्वारा 'छत्तीसगढ़ मित्र' का प्रकाशन एक आदर्श मिसाल है। अल्प संसाधनों में तीन साल तक पत्रिका चलाई व 'मूल्य' भी बनाए रखे। निस्संदेह साल 2009 से पुनरू प्रकाशित हो रही इस पत्रिका के सम्मुख चुनौतियां जस की तस हैं! अपने रायपुर (छत्तीसगढ़) शहर में पत्रकारिता के दो–एक आयोजनों से गुजरने के बाद देखा कि पूर्वज परंपरा अब स्मृति–लोप का अधिक शिकार है। ठीक उस वक्त जब हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्षों का कालखंड (सनद्द 1826 में कोलकाता से पंडित जुगल किशोर शुक्ल द्वारा हिंदी साप्ताहिक 'उदंत मार्तण्ड' का प्रकाशन) सामने है तब खुशी और हैरानी एक साथ सामने उभर आई है। देश में अलग–अलग जगह होने वाले आयोजनों ने बताया कि वे लोग बंगाल की भूमि से उठे एक व्यक्ति के 'उस अवदान' को प्रणति दे रहे हैं – जिसे आज 'पत्रकारिता' जैसे सम्मान जनक पेशे के रूप में दुनिया जानती है। उनकी याद, सिर्फ भावुक याद नहीं, आज के समय में दो सौ वर्षों के इस वृहद कालखंड के बीत जाने के बाद खुध्द को खंगालने जैसा भी है। 'माध ावराव सप्रे' इस नाम से पहला परिचय स्कूली दौर में हुआ था। कारण था इस नाम वाली उस पाठशाला में हाई स्कूल की पढ़ाई के लिए भर्ती होना। कोई बड़ी मालूमात नहीं थी कि इस नाम का जो महत्व है वही आगे चलकर मेरी अपनी पहचान का कारण बनेगा। अर्थातद्द लिखने–पढ़ने वाला जीवन। बरसों बाद, जब डॉ. अशोक सप्रे से परिचय हुआ तो

धीरे–धीरे जाना कि जिन माधवराव सप्रे नाम के स्कूल में तीन वर्ष बिताए उनका असल परिचय क्या था। उन्नीसवीं सदी (19 जून, सनद्द 1871 में जन्म) वाले माधवराव सप्रे के परिवार से जुड़ा वर्तमान सदी का कोई सदस्य सामने सहज सुलभ था, उनके घर भी आवाजाही थी। बावजूद सप्रेजी का कहा या प्रकाशन जो अनकहा हो इस बाबत डॉ. सप्रे बता सकते थे उस तथ्य से परिचित होने से चूक गया। इतने बरसों बाद जब हम पत्रकारिता के एक बिल्कुल अलग दौर में खड़े हैं तब संत मन वाले माधवराव सप्रे का योगदान हैरानी में डालता है! उस काल में, जब इस विधा विशेष के लिए न तो ठिकाने के उदाहरण थे न ही रास्ते सुलभ थे तब एक आदमी जो स्वयं अनजान था असाधारण साहस करने सामने आता है! पत्रिका कैसे चलेगी इसका कोई पूर्वानुभव नहीं था अलबत्ता हौसला कम न था। लेकिन तीन वर्ष की अवधि तक निरन्तर घाटा होते रहने के कारण मजबूरन प्रकाशन रोकना पड़ा। छोटी आयु मिली थी 'छत्तीसगढ़ मित्र' को। मात्र तीन साल। सनद्द 1900 के पहले महीने सप्रे जी पत्रकारिता की अपनी वह योजना धरातल पर उतारते हैं। संघर्ष करते–करते अंततः तीसरे वर्ष पत्रिका का प्रकाशन रोकना पड़ जाता है। जबकि पत्रिका की गुणवत्ता का मानदंड समझने को प्रयाग से निकलने वाली 'सरस्वती' की ओर देखना चाहिए जिसे आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सनद्द 1903 में संपादक का भार संभालने के बाद ठीक उसी भावभूमि पर ढाला था जिस पर 'छत्तीसगढ़ मित्र' का वैचारिक आध ाार टिका हुआ था।

'छत्तीसगढ़' नाम को सामने रखने का विचार किस कदर गहरा था! गैर हिंदी भाषी (मराठी मूल का) एक साधक रचनाकार समाज को हिंदी में कुछ देने की नीयत से निकलता है और उस 'छत्तीसगढ़' को, जो तब एक अंचल मात्र था, के लिए इस अखबार को 'मित्र' के रूप में देखता है। आज भले 'सप्रे रचनावली' हमारे सामने पत्रकारिता के उस युग को विस्तार से समझने का जरिया हो। इसके समानांतर सनद्द 2022 में साहित्य अकादमी, नई दिल्ली से आई 'भारतीय साहित्य के निर्माता रू माधव राव सप्रे' किताब नई पीढ़ी को जरूर पढ़नी चाहिए। यह किताब पत्रकारिता को समझने की एक पोथी तो है, साथ में व्यक्ति विशेष के अवदान को भी समझाती है। पत्रिका के पहले अंक में संवाददाताओं की नियुक्ति के लिए सप्रे जी इच्छुकों से आग्रह करते रोचक ढंग लिखते हैं कि,'मेहनती और ईमानदार की दरकार है। गपोड़ी आदमी नहीं चाहिए!' इसके उलट आज की पत्रकारिता का सारा दारोमदार ही उस 'सप्रे भाव' से छत्तीस के आंकड़े पर है!

'छत्तीसगढ़ मित्र' जिस काल में अपने नगण्य साधनों से सामने आया तब न तो जीवन में रंग दाखध्लि थे और न मानव देह का हिस्सा थे। इस नई सदी में भारत के विकास का अश्वमेध घोड़ा जब दुनिया की परिक्रमा कर रहा हो तब भी यानी सनद्द 2026 में भी पं. माधवराव सप्रे के उसी 'छत्तीसगढ़ मित्र' का जीवन खुशहाल नहीं है! सनद्द 2009 से दोबारा प्रकाशित हो रही इस पत्रिका के सम्मुख चुनौतियां जस की तस हैं! अलबत्ता अच्छी सामग्री की बदौलत ही वह जी रही है। दूसरी पत्रिकाओं से स्पध ार्ा के लिए भी उसके पास कोई आधार नहीं। उसकी ताकध्त सहजता है। बिना फोटो वाला रूप उसका पहचान पत्र है।

उनकी बात को फिर से दोहराते हुए: `जब मैं ओलंपिक्स से लौटी, तो मैं परिवार के साथ नहीं रहना चाहती थी। फिर हमारी जिंदगी में क्रिधव (बेटा) आया. .. अगर मैं प्रशिक्षण ले रही हूं, तो उसके लिए कर रही हूं। जब वह बड़ा होगा, तो मुझसे क्या सीखेगा... यही बात मुझे प्रेरित करती है... जब वह 5 साल का होगा, तब भी मैं कुश्ती के रिंग में होना चाहूंगी.. अगर वह मुझे कुश्ती लड़ते हुए ...

भारतीयता कमजोर होगी सद्भाव पर आंच से

आज हर विवेकशील नागरिक समझे कि देश में भाई–चारे की भावना को कमजोर बनाने वाला हर काम भारतीयता को कमजोर बनाता है। ऐसे हर काम का विरोध होना चाहिए। भाई–चारे की यह भावना तभी मजबूत बनेगी जब हम एक–दूसरे की...

आज हर विवेकशील नागरिक समझे कि देश में भाई–चारे की भावना को कमजोर बनाने वाला हर काम भारतीयता को कमजोर बनाता है। ऐसे हर काम का विरोध होना चाहिए। भाई–चारे की यह भावना तभी मजबूत बनेगी जब हम एक–दूसरे की भावनाओं को समझने, उनका आदर करने की आवश्यकता और महत्ता को समझेंगे।

युद्ध और प्यार में सब कुछ जायज समझने वाली बात में अब एक बात और जुड़ गयी हैदृ अब चुनाव में भी सब कुछ सही मान लिया गया है। भले ही हमने अपने संविधान में धर्म–निरपेक्षता के सिद्धांत में विश्वास जताया हो, पर धर्म की दुहाई देकर राजनीतिक स्वार्थ साधने के उदाहरणों की कोई कमी नहीं है। हाल ही में हुए पांच राज्यों के चुनावों में हमने देखा कि धर्म की राजनीति करने वाले हमारे राजनेताओं को जरा भी संकोच नहीं हुआ। असम और बंगाल में यह प्रकृति खुलकर सामने आयी। खुलेआम धर्म के नाम पर वोट मांगे गये, और धर्म के नाम पर वोट देने वालों की भी कमी नहीं रही।

बहुत पुरानी बात नहीं है जब भाजपा के एक राष्ट्रीय अध्यक्ष ने निस्संकोच यह कहा था कि उन्हें, यानी उनकी पार्टी को मुसलमानों के वोटों की कोई आवश्यकता नहीं है। उनकी इस बात के पीछे का गणित बहुत स्पष्ट था। देश में मुसलमानों की आबादी लगभग बीस प्रतिशत है। यदि शेष अस्सी प्रतिशत में से पचास–साठ प्रतिशत मतदाता भी धर्म के आधार पर वोट देते हैं तो धर्म की राजनीति करने वालों की विजय सुनिश्चित है। पिछले सात–आठ दशकों में देश के बहुसंख्यक मतदाताओं को धर्म के नाम पर वोट देने के लिए उकसाने की कोशिशों से कौन अपरिचित है? पर यह भी एक वास्तविकता है कि इस देश के बहुसंख्यकों ने सिर्फ धर्म के आधार पर राजनीति करने वालों को स्वीकार नहीं किया। इसके बावजूद धर्म के नाम पर राजनीति करने वालों की कोशिशें लगातार जारी रही हैं। इन कोशिशों को असफल बनाना देश के बेहतर कल की एक प्रमुख शर्त है। हमारे संविधान–निर्माता इन कोशिशों के खतरों को अच्छी तरह समझते थे। इसीलिए हमारे संविध ाान के प्रमुख शिल्पी बाबा साहेब अम्बेडकर ने संविधान के आमुख में स्वतंत्रता, समता और न्याय के साथ भाई–चारे को जोड़ना जरूरी समझा था। वे अच्छी तरह जानते थे कि यदि भारत सामाजिक जनतंत्र को स्थापित करने में विफल रहता है तो हमारा राजनीतिक जनतंत्र भी बिखर जायेगा। संविधान–सभा में 25 नवम्बर, 1949 के अपने भाषण में डॉक्टर अम्बेडकर ने यह बात बड़ी स्पष्टता और गंभीरता के साथ समझायी थी। उन्होंने कहा था कि जनतंत्र के चारों आधारोंकृसमता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुतादृ का बने रहना जनतांत्रिक भारत के अस्तित्व की शर्त है। वे यह मानते थे कि यदि इन चारों में से किसी एक को भी अपनी जगह से हटाया गया तो जनतंत्र का उद्देश्य ही विफल हो जायेगा। उन्होंने कहा था, 'स्वतंत्रता को समानता से अलग नहीं किया जा सकता, न ही समानता को स्वतंत्रता से दूर किया जा सकता है। इसी तरह स्वतंत्रता और समानता को भाई–चारे से पृथक नहीं किया जा सकता। यदि समानता नहीं रही तो 'बहुतों' पर 'कुछ' को वरीयता मिल जायेगी। स्वतंत्रता के बिना समानता का मतलब व्यक्ति की पहल करने की क्षमता को नकारना होगा।' जहां तक भाई–चारे का सवाल है इसका सीधा–सा मतलब है सभी भारतीयों का एक–दूसरे से जुड़ा होना और जुड़ा रहना। उन्होंने इसके साथ ही यह कहना भी जरूरी समझा था कि इसके बिना स्वतंत्रता और समानता का अधिकार भी बहुत ज्यादा माने नहीं रखता। संविधान सभा में डॉ. अम्बेडकर इस विचार को रेखांकित करने वाले अकेले नहीं थे। और भी कइयों ने स्वतंत्र जनतांत्रिक भारत में भाई–चारे की आवश्यकता और महत्ता को रेखांकित किया था। वे सब इस बात को मानते थे कि भाई–चारा ही वह गोंद है जो भारतीयों को जोड़े रखेगी। बहुधर्मीय, बहुजातीय और बहुभाषी भारत को आपसी भाई–चारे की भावना ही जोड़े रख सकती है। आजादी की अब तक की यात्रा में यदि हम सब एक साथ आगे बढ़ पाये हैं तो उसका श्रेय भी भाई–चारे को समता, स्वतंत्रता और न्याय जितना महत्व देने को जाता है। यह भाई–चारा हमारे संविध ाान–निर्माताओं के लिए कोई मोहक कल्पना नहीं था, एक ठोस आधार था देश के भविष्य का। सब जानते हैं कि जब हमारा संविधान लिखा जा रहा था तो वह समय देश में भारी उथल–पुथल का था। विभाजन की त्रासदी को झेल रहा था देश, सांप्रदायिकता की आंच भी जब–तब सिर उठा रही थी। उस माहौल में भाई–चारे के दार्शनिक विचार को जनता के मन और मस्तिष्क तक पहुंचाना कोई आसान काम नहीं था। एक तरफ हमारे संविधान–निर्माता यह काम करने में लगे थे, वहीं दूसरी ओर बंगाल में महात्मा गांधी अपनी 'एक व्यक्ति की सेना' के सहारे सांप्रदायिकता की आग बुझाने का काम कर रहे थे। यह तथ्य कम महत्वपूर्ण नहीं है कि जिस दिन राजधानी दिल्ली में यूनियन जैक को उतार कर तिरंगा फहराया जा रहा था, महात्मा गांधी दिल्ली से हजारों मील दूर बंगाल में थे। सांप्रदायिकता की आग के घावों पर मरहम लगा रहे थे। गांधी अच्छी तरह समझते थे कि बंधुता को जिये बिना देश में सही अर्थों में जनतंत्र नहीं आ सकता। आज इस बात को फिर से समझने की आवश्यकता है कि गांधी ने 15 अगस्त, 1947 को दिल्ली के बजाय कोलकाता (तब कलकत्ता) में रहना जरूरी क्यों समझा था।

हीटवेव रोक देगी भारत की एआई क्रांति? क्या अरबों डॉलर की योजना पर लगेगा ब्रेक

एक तरफ जहां भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश आकर्षित करने की होड़ में है, वहीं एक नए वैश्विक आकलन ने चेतावनी दी है कि देश के नए और आधुनिक डेटा सेंटर्स पर जलवायु से जुड़ी आपदाओं का खतरा तेजी से बढ़ सकता है। जलवायु जोखिम का आकलन करने वाली कंसल्टेंसी फर्म 'XDI' (क्रॉस डिपेंडेंसी इनिशिएटिव) द्वारा बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक दुनिया का ध्यान मुख्य रूप से डेटा सेंटर्स की ऊर्जा और पानी की भारी जरूरतों पर ही केंद्रित रहा है। लेकिन भीषण गर्मी और खराब मौसम के कारण बुनियादी ढांचे को होने वाले नुकसान जैसे भौतिक जलवायु जोखिम इस सेक्टर के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर उभर रहे हैं। ѐ2026 ग्लोबल एनालिसिस ऑफ प्लान्ड डेटा सेंटर्स फॉर फिजिकल क्लाइमेट रिस्क एंड रेजिलिएंसऋ नामक इस रिपोर्ट में दुनियाभर में बनने वाले 2,595 प्रस्तावित डेटा सेंटर्स का विश्लेषण किया गया है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य इन डेटा सेंटर्स पर जलवायु परिवर्तन से होने वाले सीधे नुकसान, भीषण गर्मी की वजह से इनके संचालन में आने वाली रुकावटों और बिजली, पानी व

परिवहन नेटवर्क जैसे बाहरी इंफ्रास्ट्रक्चर के ठप होने से पैदा होने वाले बड़े खतरों का सटीक आकलन करना है।

भारत के लिए, इन नतीजों से देश के तेजी से बढ़ते डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम की लंबे समय तक बनी रहने की क्षमता पर नए सवाल खड़े होते हैं। एक एनालिसिस के अनुसार, प्लान किए गए डेटा सेंटर्स के लिए क्लाइमेट रिस्क (जलवायु संबंधी जोखिम) के मामले में भारत दुनिया भर में 11वें स्थान पर है। और भी चौंकाने वाली बात यह है कि भारत के कई प्रमुख टेक्नोलॉजी और इन्वेस्टमेंट हब तमिलनाडु, तेलंगाना और कर्नाटक दुनिया भर के उन टॉप 30 क्षेत्रों में शामिल हैं, जिन्हें अत्यधिक गर्मी के कारण कामकाज में रुकावट का सबसे ज़्यादा अनुमानित जोखिम है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब भारत ।प् कंप्यूटिंग, क्लाउड सेवाओं और डेटा लोकलाइजेशन की जरूरतों के कारण डेटा सेंटर निवेश के लिए एक प्रमुख डेस्टिनेशन के तौर पर खुद को स्थापित कर रहा है। एक्सडीआई के फाउंडर और साइंस एंड टेक्नोलॉजी हेड, डॉ. कार्ल मैलन ने कहा, ष्ज्यादातर बहस एनर्जी की मांग और पानी की खपत पर केंद्रित रही है। लेकिन क्लाइमेट से जुड़े फिजिकल रिस्क (भौतिक जलवायु जोखिम) भी अपने आप में एक अहम बात बनते जा रहे हैं। अब सवाल सिर्फ यह नहीं है कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की अगली पीढ़ी कहाँ बनेगी, बल्कि यह भी है कि क्या वे एसेट्स अपने तय जीवनकाल के दौरान चालू रह पाएँगे, उनका बीमा हो पाएगा और वे आर्थिक रूप से मजबूत बने रह पाएँगे।

यह रिपोर्ट एक बड़े ग्लोबल ट्रेंड की ओर इशारा करती है। अभी दक्षिण एशिया, दक्षिण—पूर्व एशिया और पूर्वी एशिया में ऐसे डेटा सेंटर्स का अनुपात सबसे ज़्यादा है, जिनके लिए जलवायु से जुड़ा बड़ा खतरा है। दक्षिण एशिया में, मौजूदा हालात में 12: प्रस्तावित सेंटर्स को पहले ही ज़्यादा जोखिम वाला माना गया हैय और अनुमान है कि सदी के अंत तक, ज़्यादा उत्सर्जन वाले हालात में यह जोखिम तीन गुना से भी ज़्यादा हो जाएगा। गर्मी सबसे बड़ी चिंताओं में से एक लगती है। भारत, ब्राजील, मेक्सिको, इंडोनेशिया और स्पेन जैसे देशों में अत्यधिक तापमान के कारण कामकाज में रुकावट आने का जोखिम सबसे ज़्यादा है। 'XDI' के अनुसार, इन देशों में जिन सुविधाओं का आकलन किया गया, उनमें से 75: से ज़्यादा गर्मी से जुड़ी रुकावटों के मामले में ज़्यादा जोखिम वाली श्रेणी में आती हैं। साथ ही, जैसे—जैसे वैश्विक तापमान बढ़ेगा, यह जोखिम और भी बढ़ने की आशंका है। बाढ़ या तूफान से बुनियादी ढांचे को भौतिक नुकसान हो सकता है, लेकिन इसके उलट, लंबे समय तक अत्यधिक गर्मी रहने से उपकरणों की कार्यक्षमता कम हो सकती है, कूलिंग की लागत बढ़ सकती है, बिजली आपूर्ति पर दबाव पड़ सकता है और सेवाओं में रुकावट का जोखिम बढ़ सकता है।

गुरुद्वारे के अंदर बुजुर्ग सिख जोड़े की बेरहमी से हत्या, 3 दिन बाद मुख्य संदिग्ध गिरफ्तार, भारत में भारी आक्रोश

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से एक बेहद स्तब्ध करने वाली और दर्दनाक खबर सामने आई है। यहाँ के मर्दान जिले में एक ऐतिहासिक गुरुद्वारे के भीतर सेवादार बुजुर्ग सिख जोड़े की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस दोहरे हत्याकांड के तीन दिन बाद स्थानीय पुलिस ने मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार करने का दावा किया है। इस घटना के बाद पाकिस्तान में रह रहे अल्पसंख्यक सिख समुदाय में दहशत का माहौल है, वहीं भारत में सिखों की सर्वोच्च संस्था अकाल तख्त और भारतीय जनता पार्टी ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए पाकिस्तान सरकार को आड़े हाथों लिया है। मृतकों की पहचान 70 वर्षीय जगन्नाथ और उनकी पत्नी अस्मा वंती के रूप में हुई है। वे

पेशावर से लगभग 60 किलोमीटर उत्तर—पश्चिम में मर्दान जिले के बाबू मोहल्ला स्थित गुरुद्वारे की देखभाल कर रहे थे। बुधवार को गुरुद्वारे के अंदर ही उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई।

प्रांतीय पुलिस ने गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान अमाजुगारी के निवासी शेर शाह के रूप में की है। मर्दान जिले के पुलिस अधिकारी मसूद अहमद बंगश ने बताया कि पुलिस अधिकारियों, आतंकवाद—रोधी विभाग के कर्मियों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की एक संयुक्त जांच टीम द्वारा की गई जांच में अब तक संदिग्ध का किसी प्रतिबंधित समूह, आतंकवादी संगठन या संगठित नेटवर्क से जुड़ा कोई सबूत नहीं मिला है। पुलिस ने कहा कि हत्याओं के पीछे का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है और अधिकारी संदिग्ध के बयानों और अब तक एकत्र किए गए अन्य सबूतों के आधार पर सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, हमलावर गुरुद्वारे में घुसेष और गोलीबारी करने के बाद मौके से फरार हो गए।

पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, गुरुद्वारे की सुरक्षा के लिए एक पुलिस गार्ड तैनात किया गया था, लेकिन हमले के समय वह वहां मौजूद नहीं था। परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, लेकिन जांचकर्ताओं ने पाया कि डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर काम नहीं कर रहा था। इस हत्या पर भारत में अकाल तख्त और बीजेपी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। अकाल तख्त के जत्थेदार (प्रधान पुजारी) ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज ने हत्या की निंदा की और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तथा खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मुहम्मद सोहेल खान अफरीदी से आग्रह किया कि वे इस मामले का कड़ा संज्ञान लें, जिम्मेदार लोगों को तुरंत गिरफ्तार करें और दोषियों को कड़ी सजा सुनिश्चित करें।

बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने हत्याओं की निंदा की और कहा कि पाकिस्तान 1950 के नेहरू—लियाकत समझौते के तहत किए गए वादों को पूरा करने में लगातार विफल रहा है, जिसमें भारत और पाकिस्तान दोनों में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की गारंटी दी गई थी।

धरना—प्रदर्शन निर्धारित स्थल पर ही प्राप्त किए जाएंगे ज्ञापन, आदेश तत्काल प्रभाव से लागू

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ द्वारा जनपद में विभिन्न राजनैतिक, अराजनैतिक एवं अन्य संगठनों द्वारा आयोजित किए जाने वाले धरना—प्रदर्शन कार्यक्रमों के सुव्यवस्थित संचालन तथा शासकीय कार्यों के निर्बाध सम्पादन के उद्देश्य से महत्वपूर्ण आदेश जारी किए गए हैं।जिलाधिकारी ने बताया कि कार्यालयीय कार्य के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में संगठनों एवं दलों के प्रतिनिधि कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचकर धरना—प्रदर्शन करते हैं, जिससे आम जनता की समस्याओं की सुनवाई, फरियादियों के मामलों के निस्तारण तथा अन्य महत्वपूर्ण शासकीय कार्यों के संचालन में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होता है। इसे . ष्टिगत रखते हुए धरना—प्रदर्शन के लिए कलेक्ट्रेट भवन के पीछे स्थित कोषागार कार्यालय के सामने

पश्चिम दिशा की ओर एक निर्धारित स्थल चिन्हित किया गया है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने पुलिस अधीक्षक सहित समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनपद में विभिन्न राजनैतिक, अराजनैतिक एवं अन्य संगठनों द्वारा आयोजित किए जाने वाले धरना—प्रदर्शन कार्यक्रम केवल निर्धारित स्थल पर ही आयोजित कराए जाएं। उन्होंने कहा कि स्थानीय थाना एवं संबंधित पुलिस अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार का धरना—प्रदर्शन निर्धारित स्थल के अतिरिक्त अन्यत्र न किया जाए।जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि संबंधित अधिकारी निर्धारित स्थल पर स्वयं उपस्थित होकर धरनारत प्रतिनिधियों से ज्ञापन प्राप्त करें तथा प्राप्त प्रकरणों में नियमानुसार आवश्यक अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू होगी तथा इसका कड़ाई से अनुपालन कराया जाएगा।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनसुनवाई, प्रशासनिक कार्यों एवं आमजन की सुविधाओं को प्रभावित किए बिना लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने के लिए निर्धारित स्थल का उपयोग सुनिश्चित कराया जाए।

श्रीसंत का हरभजन को रिंग फाइट का ओपन चैलेंज, बोले— क्या तुममें हिम्मत है?

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज श्रीसंत ने हरभजन सिंह के साथ अपनी पुरानी दुश्मनी को फिर से हवा दी है। उन्होंने प्च्स् की मशहूर स्लैपगेट घटना के लगभग दो दशक बाद, पूर्व स्पिनर को रिंग में लड़ाई के लिए खुली चुनौती दी है। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बात करते हुए, श्रीसंत ने हरभजन पर इस विवाद से लगातार फायदा उठाने का आरोप लगाया और उन्हें बॉक्सिंग—स्टाइल मुकाबले में अपने मतभेद सुलझाने की चुनौती दी।

यह घटना किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और मुंबई इंडियंस के बीच हुए एक मैच की है, जब मैच के बाद मैदान पर हरभजन ने श्रीसंत को थप्पड़ मार दिया था। इस घटना से काफी नाराजगी फैली और यह प्च्स् के इतिहास के सबसे विवादित पलों में से एक बन गई। इसके बाद के सालों में, ऐसा लगा कि दोनों खिलाड़ी आगे बढ़ चुके हैं। वे पब्लिक इवेंट्स में साथ दिखे, विज्ञापनों में साथ काम किया और अक्सर अच्छे से बातचीत करते हुए भी देखे गए। हरभजन ने कई बार माफी भी मांगी और अपने बर्ताव पर सबके सामने अफसोस जताया। हालांकि, ऐसा लगता है कि उनके रिश्ते फिर से खराब

हो गए हैं। इसकी वजह हाल ही में आया हरभजन का एक विज्ञापन बताया जा रहा है, जिसमें उन्होंने श्रीसंत का नाम लिए बिना उस बदनाम घटना का मजाक उड़ाया। श्रीसंत ने बताया कि उन्होंने एक बार फिर हरभजन से रिश्ते तोड़ लिए हैं और उन्हें ब्लॉक कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हरभजन उनकी जिंदगी के एक दर्दनाक दौर का फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हरभजन ने उस विज्ञापन से लगभग ध करोड़ रुपए कमाए।

शब्दों की यह जंग तब फिर से शुरू हुई जब श्रीसंत ने हरभजन वाले एक हालिया विज्ञापन पर आपत्ति जताईय उन्हें लगता है कि इसमें कुख्यात स्लैपगेट घटना का जिक्र किया गया था। बॉक्सिंग की पोशाक पहने और एक—दूसरे के आमने—सामने खड़े दोनों खिलाड़ियों की एक पुरानी प्रमोशनल तस्वीर की ओर इशारा करते हुए, श्रीसंत ने सवाल किया कि क्या हरभजन असल लड़ाई में उनका सामना करने के लिए तैयार होंगे।

श्रीसंत ने लल्लनटॉप से पूछा कि क्या तुममें हिम्मत है कि यही सीन दोहरा सको? क्या तुममें मेरे साथ रिंग में आने की हिम्मत है? क्या तुम साइन करके आ सकते हो? मैं उससे पूछ रहा हूँ। क्या तुममें मेरे साथ रिंग में आने की हिम्मत है? इन्हीं ग्लव्स को पहनकर? यह एक्टिंग नहीं है। मैं मुस्कुरा रहा हूँ। तुम तो मुस्कुरा भी नहीं रहे हो, पता नहीं तुम क्या कर रहे हो। देखते हैं। यह एक खुला चैलेंज है।

राष्ट्रीय लोक दल के युवा प्रदेश महासचिव बने विवेक चतुर्वेदी का भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। राष्ट्रीय लोक दल के युवा प्रदेश महासचिव मनोनीत

होने पर युवा नेता विवेक चतुर्वेदी का राष्ट्रीय लोक दल कार्यालय में भव्य स्वागत एवं माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें पुष्पमाला पहनाकर बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने कहा कि विवेक चतुर्वेदी एक कर्मठ, संघर्षशील एवं जुझारू युवा नेता हैं। संगठन में उनकी सक्रियता, निष्ठा एवं समर्पण को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने विश्वास जताया कि विवेक चतुर्वेदी के नेतृत्व में युवाओं को संगठन से जोड़ने का कार्य और अधिक गति से होगा तथा राष्ट्रीय लोक दल प्रदेश में और अधिक मजबूत होकर उभरेगा।अपने संबोधन में विवेक चतुर्वेदी ने पार्टी नेतृत्व एवं सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा उन पर जताए गए विश्वास पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों, युवाओं, मजदूरों एवं समाज के वंचित वर्गों की आवाज़ को मजबूती से उठाते हुए राष्ट्रीय लोक दल की नीतियों और विचारधारा को जन—जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी, युवा जिलाध्यक्ष प्रशांत विष्णु प्रताप, व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सचिन गुप्ता, छात्र प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सूरज चौबे, जिला उपाध्यक्ष उदय प्रकाश पटे(मुन्ना मालिक, चंद्रशेखर विश्वकर्मा, विजय सिंह पटेल, सूर्य कान्त चौबे बबलू चौबे धीरज चौबे, जितेंद्र चौबे, राजेश चौबे सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन संगठन को मजबूत बनाने तथा पार्टी की नीतियों को जन—जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ हुआ।

मनिका बत्रा ने एशियन गेम्स से बाहर होने पर उठाए सवाल, बोलीं— कोई वजह नहीं बताई गई, पीएम से लगाई गुहार

भारत की प्रमुख टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने 2026 एशियाई खेलों के लिए देश की मुख्य टीम में शामिल न किए जाने पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए हैं। उन्होंने चयन प्रक्रिया पर निराशा जताई है और अधिक पारदर्शिता की मांग की है। गुरुवार को जब टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया ने आइची—नागोया एशियाई खेलों के लिए 10 सदस्यों की टीम की घोषणा की, तो 31 वर्षीय ओलंपियन को रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया।

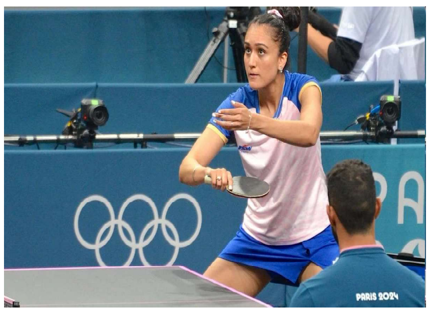

एक दिन बाद, बत्रा ने इस फैसले पर अपनी चिंता जाहिर की और ग पर लिखा कि एशियन गेम्स 2026 की टीम में मेरा चयन न होना बहुत निराशाजनक है, और इसके लिए कोई खास वजह भी नहीं बताई गई है। उन्होंने आगे कहा, ष्प्रदर्शन में निरंतरता को लेकर सवाल उठते हैं, क्योंकि मेरे मामले में पिछले चयन चक्र के मुकाबले अलग—अलग पैमाने और बातों को ध्यान में रखा गया। अगर वही नियम लागू होने थे जो पिछले एशियन गेम्स के चयन में लागू हुए थे।

उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा कि मैंने इस प्रक्रिया के बारे में स्पष्ट जानकारी मांगी है और माननीय प्रधानमंत्री, माननीय खेल मंत्री और भारतीय ओलंपिक संघ से सम्मानपूर्वक अनुरोध करती हूं कि वे इस मामले को देखें और चयन के नियमों को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से लागू करना सुनिश्चित करें। TTFI ने एक ऐसी पॉलिसी के आधार पर टीम चुनी है जिसमें नेशनल रैंकिंग को 50:, वर्ल्ड रैंकिंग को 40: और सिलेक्शन कमिटी की पसंद को 10: महत्व दिया गया है।

इंटरनेशनल लेवल पर भारत की दूसरी सबसे ऊंची रैंकिंग वाली महिला सिंगल्स प्लेयर होने के बावजूद, बत्रा मुख्य टीम में जगह नहीं बना पाईं। इसकी मुख्य वजह घरेलू टूर्नामेंट में उनका न खेलना था, जिससे उनकी नेशनल रैंकिंग पर असर पड़ा। महिला टीम की कप्तानी भारत की टॉप रैंकिंग वाली महिला पैडलर और वर्ल्ड नंबर 45 श्रीजा अकुला करेंगी। टीम में यशस्वी घोरपड़े, दिया चितले, सुतीर्था मुखर्जी और सिंड्रेला दास भी शामिल हैं। स्वास्तिका घोष और बत्रा को रिजर्व के तौर पर रखा गया है।

हर्षित राणा की भारतीय टीम में अचानक एंट्री, चोट के बाद अफगानिस्तान वन डे में मिला मौका

अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे के लिए हर्षित राणा को आखिरी समय में भारतीय टीम में शामिल किया गया है। घुटने की चोट के कारण यह तेज गेंदबाज टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गया था, लेकिन अब वह पूरी तरह ठीक हो चुका है। भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे को देखते हुए, ठब्ब् ने इन दौरों से पहले राणा को मैच की जरूरी प्रैक्टिस देने का फैसला किया है। अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला वनडे इस युवा तेज गेंदबाज को विदेशी दौरों के लिए टीम में शामिल होने से पहले अपनी लय वापस पाने और अपनी फिटनेस साबित करने का मौका देगा।

BCCI ने एक बयान में कहा कि पुरुष चयन समिति ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और आखिरी प्क्थ्ब् फर्स्ट बैंक वनडे मैच के लिए हर्षित राणा को भारतीय टीम में शामिल किया है। राणा, जिन्होंने BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है, चेन्नई में वनडे टीम के साथ जुड़ गए हैं। घुटने की चोट के कारण हर्षित कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ पूरा IPL 2026 सीजन भी नहीं खेल पाए थे। इस तेज गेंदबाज ने आखिरी बार इस साल जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और तब से वे टीम से बाहर चल रहे थे।

दिलचस्प बात यह है कि चयनकर्ताओं ने हर्षित को टीम में जगह देने के लिए किसी भी खिलाड़ी को बाहर नहीं किया। उन्हें प्रिंस यादव और गुरनूर बरार के शानदार प्रदर्शन के बावजूद टीम में शामिल किया गया हैय इन दोनों खिलाड़ियों ने अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही सीरीज में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया और अपने खेल से मजबूत छाप छोड़ी है। राणा को आयरलैंड और इंग्लैंड के आने वाले दौरों के साथ—साथ एशियाई खेलों के लिए भी भारत की T20I टीम में चुना गया है। 24 साल के इस तेज गेंदबाज को इस साल की शुरुआत में भारत की T20 वर्ल्ड कप टीम में भी शामिल किया गया था, लेकिन घुटने की चोट के कारण उन्हें हटना पड़ा था।

बाद में चयनकर्ताओं ने टूर्नामेंट के लिए उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया। अब ठीक होने के बाद, राणा मैदान पर वापसी करने और भारत के आने वाले मैचों से पहले अपनी लय हासिल करने के लिए तैयार हैं।

जिला कांग्रेस कार्यालय पर सादगी से मनाई गई बाबू जगजीवन राम की जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला कांग्रेस कार्यालय पर गुरुवार को भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं प्रख्यात समाज सुधारक बाबू जगजीवन राम की जयंती सादगीपूर्ण ढंग से मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष (कार्यक्रम एवं प्रशासन) अनिल सिंह अन्नू ने की, जबकि संचालन नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अनुसूचित प्रकोष्ठ डॉ. प्रमोद कुमार ने किया। अध्यक्षीय संबोधन में अनिल सिंह अन्नू ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का पूरा जीवन सामाजिक विषमताओं, ऊंच–नीच और जाति–पाति की खाई को समाप्त करने के लिए समर्पित रहा। सामान्य परिवार में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने अपने परिश्रम, सादगी और कर्मनिष्ठा के बल पर देश के सर्वोच्च पदों में शामिल उप प्रधानमंत्री पद तक पहुंचकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1908 में बिहार के आरा जनपद के चंदवा गांव में जन्मे बाबू जगजीवन राम लोकतंत्र के सशक्त एवं अडिग स्तंभ थे। कांग्रेस के प्रति उनका समर्पण ही उन्हें पार्टी का मजबूत स्तंभ बनाता है। कांग्रेस ने उन्हें केवल दलित नेता तक सीमित न रखकर राष्ट्रीय नेतृत्व की मुख्यधारा में स्थापित किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ मिलकर देश की प्रगति और विकास के लिए किए गए उनके प्रयासों ने उन्हें जननायक के रूप में स्थापित किया। आज उनकी जयंती पर हम सभी उन्हें शत–शत नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। डॉ. प्रमोद कुमार एवं रियाजुद्दीन रैनी ने कहा कि आजाद भारत के प्रथम दलित उप प्रधानमंत्री के रूप में बाबू जगजीवन राम सदैव याद किए जाएंगे। उनका सादगीपूर्ण जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने समाज में भाईचारे, समानता और सौहार्द का संदेश दिया तथा देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने का निरंतर प्रयास किया। उनके विचार और आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दिवाकर त्रिपाठी, संतोष चौधरी, अकरम अली सिद्दीकी, डॉ. नियाज, शौकत अली, विशंभर प्रसाद, जुबेर खान, मोहम्मद शफीक, अहमद हुसैन, प्रकाश भाई, राजेश गुप्ता एवं गोपाल जी सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

110 फीट ऊंचे ध्वजदंड पर पुनः तिरंगा फहराने की उठी मांग, अमय पांडेय ने सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। नगर पालिका परिषद बांसी क्षेत्र स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क (राप्ती पुल के समीप) में स्थापित 110 फीट ऊंचे ध्वजदंड पर राष्ट्रीय ध्वज को पुनः फहराने की मांग जोर पकड़ने लगी है। इस संबंध में युवा समाजसेवी अमय पांडेय ने पहल करते हुए उपजिलाधिकारी बांसी शशांक शेखर राय को ज्ञापन सौंपकर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है। ज्ञापन में अमय पांडेय ने बताया कि वर्ष 2022 में तत्कालीन जिलाधिकारी दीपक मीणा, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में उक्त ध्वजदंड पर भव्य राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था। यह विशाल तिरंगा नगर की पहचान और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बन गया था। बाद में ध्वज क्षतिग्रस्त होने के कारण उसे उतार लिया गया, लेकिन लंबे समय से नया ध्वज नहीं लगाया गया है। उन्होंने कहा कि नगरवासियों की भावनाएं राष्ट्रीय ध्वज से जुड़ी हैं और तिरंगे के पुनः ध्वजारोहण को लेकर नागरिकों में लगातार चर्चा हो रही है। ऐसे में राष्ट्र की आन, बान और शान के प्रतीक तिरंगे को शीघ्र पुनः स्थापित किया जाना चाहिए। अमय पांडेय ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि जिलाधिकारी स्तर से आवश्यक अनुमति और सहयोग प्रदान कर ध्वजदंड पर राष्ट्रीय ध्वज पुनः फहराने की व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी कारणवश संबंधित विभाग या नगर पालिका ऐसा करने में असमर्थ है, तो वे नगर के सम्मानित नागरिकों, व्यापारियों, युवाओं, सामाजिक संगठनों, माताओं, बहनों एवं बेटियों के सहयोग से अपने निजी व्यय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए तैयार हैं। इसके लिए उन्होंने प्रशासन से आवश्यक अनुमति देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज केवल कपड़े का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, स्वतंत्रता और राष्ट्रीय अस्मिता का सर्वोच्च प्रतीक है। इसलिए जनभावनाओं और राष्ट्रीय सम्मान को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, डॉ. अनूप अग्रहरि, समाजसेवी उद्भव प्रताप सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं नगरवासी उपस्थित रहे। नगरवासियों ने भी प्रशासन से अपेक्षा जताई है कि इस जनभावना से जुड़े विषय पर शीघ्र कार्रवाई करते हुए 110 फीट ऊंचे ध्वजदंड पर राष्ट्रीय ध्वज पुनः फहराया जाएगा, जिससे बांसी नगर में राष्ट्रीय गौरव का यह प्रतीक फिर से पूरी गरिमा के साथ लहराता दिखाई दे।

नवागत उपजिलाधिकारी शशांक शेखर राय ने संभाला बांसी तहसील का कार्यभार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। बांसी तहसील में प्रशासनिक फेरबदल के तहत नवागत उपजिलाधिकारी (क्ड) शशांक शेखर राय ने शुक्रवार को विधि–विधान से अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार संभालते ही उन्होंने तहसील के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण को अपनी मुख्य प्राथमिकता बताया। बांसी में तैनाती से पूर्व शशांक शेखर राय जनपद सिद्धार्थनगर के ही सदर तहसील में एसडीएम न्यायिक के पद पर कार्यरत थे। वहां उनके कुशल कार्यशैली और बेहतर ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें बांसी तहसील की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवागत उपजिलाधिकारी के पदभार ग्रहण करने की सूचना मिलते ही स्थानीय संभ्रांत नागरिकों, अधिवक्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तहसील मुख्यालय पहुंचकर उनसे शिष्टाचार मुलाकात की। लोगों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर नए कार्यकाल की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। शासन की मंशानुरूप पारदर्शी प्रशासन और फरियादियों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण ही हमारी पहली प्राथमिकता होगी। तहसील क्षेत्र में कानून व्यवस्था और विकास कार्यों को गति दी जाएगी।

विश्व योग दिवस के सुअवसर पर तीन दिवसीय योग शिविर का हुआ शुभारंभ, लोगों के किया योगाभ्यास

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में डुमरियागंज नगर क्षेत्र के वार्ड संख्या 10 महाराजा अग्रसेन नगर में आयोजित तीन दिवसीय योग शिविर के पहले दिन लोगों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया। शिविर में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का अनुभव किया। योग शिविर का संचालन योग प्रशिक्षिका मनीषा अग्रहरि ने किया। शिविर में छाया गुप्ता, सोनम, लक्की, सावित्री, शिवानी, माया अग्रहरि, अभिषेक सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। लगभग एक घंटे तक चले योग सत्र के बाद प्रतिभागियों ने अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से योग को शामिल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मनीषा अग्रहरि ने कहा कि योग का अर्थ है जोड़ना, अर्थात शरीर, श्वास, मन और आत्मा को एक सूत्र में पिरोना हैं। उन्होंने बताया कि योग के नियमित अभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है, मानसिक तनाव कम होता है तथा मस्तिष्क की कार्यक्षमता और स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है। उन्होंने बताया कि विश्व योग दिवस के अवसर पर आयोजित यह तीन दिवसीय योग शिविर 21 जून को संपन्न होगा। शिविर का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। वहीं डुमरियागंज मूल के प्रवासी योग शिक्षक ई. अजय अग्रहरि ने कहा कि योग एक ऐसा विज्ञान है, जो मन और शरीर को उसकी प्राकृतिक स्वास्थ्य अवस्था में लाने का कार्य करता है। योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है, बल्कि आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

राप्ती नदी में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, पुलिस ने पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। कोतवाली बांसी क्षेत्र के अंतर्गत बांसी–नौगढ़ रोड पर मदरहिया पेट्रोल पंप नेटवा सोनखर के पास राप्ती नदी में शुक्रवार सुबह एक अज्ञात प्रौढ़ व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही डायल 112 और स्थानीय पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को नदी से बाहर निकाला और वैधानिक कार्रवाई शुरू की। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह कॉलर अब्दुल मुतल्लीव (मोबाइल नंबररू 7304879363) ने डायल 112 (पीआरवी 8493) पर सूचना दी कि नदी में एक अज्ञात व्यक्ति की डेड बॉडी बहकर आई है। इस सूचना को इवेंट नंबर च19062608167 पर दर्ज करते हुए तत्काल पुलिस को अलर्ट किया गया। डायल 112 से सूचना प्राप्त होते ही थाना कोतवाली बांसी के उपनिरीक्षक जगदीश सिंह अपने हमराही कांस्टेबल दिलीप निषाद और रिजर्व कांस्टेबल अरुण कुमार के साथ जरूरी कागजात, शव किट बैग और जिल्द पंचायतनामा लेकर तुरंत घटना स्थल के लिए रवाना हुए। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों को भी तत्काल अवगत कराया गया। शुक्रवार सुबह करीब 10:15 बजे प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक और एसआई जगदीश सिंह की मौजूदगी में पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को राप्ती नदी से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की। नदी से बरामद शव किसी प्रौढ़ व्यक्ति का है, जिसकी अभी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे शिनाख्त और पोस्टमार्टम (पीएम) के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रेमी की शादी तय होने से नाराज युवती मोबाइल टावर पर चढ़ी, घंटों चला हाई–वोल्टेज ड्रामा

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र के एक गांव में बृहस्पतिवार की शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवती अपने प्रेमी से षादी कराने की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई और पूरे इलाके में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। बताया जाता है कि क्षेत्र की रहने वाली एक युवती का अपने ही इलाके के युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी बीच युवक के परिजनों ने उसकी शादी दूसरी जगह तय कर दी थी और 19 जून को उसकी बारात जानी थी। प्रेमी की शादी कहीं और तय होने की जानकारी मिलने पर युवती आक्रोशित हो गई और शाम करीब छह बजे नहर किनारे स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गई। टावर पर चढ़कर वह अपने प्रेमी से शादी कराने की मांग करने लगी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से युवती को समझाने का प्रयास षुरू किया। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस ने आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। कई घंटों तक चले मान–मनौव्वल के बाद प्रषासन की ओर से उचित कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने पर युवती टावर से सुरक्षित नीचे उतर आई। युवती के नीचे उतरने के बाद पुलिस ने उसे अपने संरक्षण में लेकर आवश्यक पूछताछ की।

शाहपुर चौकी प्रभारी अखिलेश मिश्रा ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया है। पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है और दोनों पक्षों से बातचीत कर मामले का शांतिपूर्ण समाधान निकालने का प्रयास किया जा रहा है। घटना को लेकर क्षेत्र में देर षाम तक चर्चा का माहौल बना रहा। वहीं पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खेसरहा थाना क्षेत्र के मेहनुवा में मिशन शक्ति चौपाल, महिलाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत थाना खेसरहा की मिशन शक्ति टीम ने शुक्रवार को थाना क्षेत्र के ग्राम मेहनुवा में बहू–बेटी सम्मेलन एवं साइबर जागरूकता चौपाल का आयोजन किया। कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुभेंदु सिंह एवं थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में आयोजित चौपाल में मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा संबंधी उपायों से अवगत कराया। साथ ही महिलाओं को बताया गया कि वे किसी भी प्रकार की समस्या होने पर थानों में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर सेल की सहायता ले सकती हैं। चौपाल के दौरान महिलाओं से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई, हालांकि किसी भी महिला ने कोई शिकायत नहीं बताई। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी। इस अवसर पर मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी चस्पा किए गए। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक चंद्रिका प्रसाद, आरक्षी अरुण पाण्डेय, महिला आरक्षी अंजली यादव, प्रिया चौहान एवं बिनीता सिंह सहित मिशन शक्ति टीम के सदस्य मौजूद रहे।

खेसरहा विकासखंड में लाखों की लागत से बना आरआरसी सेंटर बना शोपीस

दैनिक बुद्ध का संदेश /शशांक मिश्रा

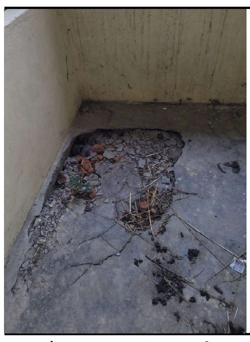

खेसरहा। सिद्धार्थनगर जनपद के विकास खंड खेसरहा अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलवालगुनही (बेलौहा) में स्वच्छ भारत मिशन के तहत लाखों रुपये की लागत से निर्मित रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) के संचालन पर ग्रामीणों ने सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कूड़ा प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बनाए गए इस केंद्र का समुचित संचालन नहीं हो रहा है, जिससे यह अपने मूल उद्देश्य को पूरा करने में विफल साबित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार आरआरसी सेंटर में कूड़े के पृथक्करण, संग्रहण और निस्तारण की व्यवस्था कागजों तक सीमित है। केंद्र पर नियमित रूप से कचरा नहीं पहुंच रहा है और न ही वहां किसी प्रकार की सक्रिय कार्यवाही दिखाई दे रही है। परिणामस्वरूप गांव में कूड़ा प्रबंधन की समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत करोड़ों रुपये खर्च कर ऐसी परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन निगरानी और संचालन के अभाव में कई योजनाएं शोपीस बनकर रह गई हैं। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच कर आरआरसी सेंटर को नियमित रूप से संचालित कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि केंद्र का सही ढंग से संचालन किया जाए तो गांव में स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। वहीं इस संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों का पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

दुष्कर्म एव मारपीट के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरतार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में महिला के साथ हुए दुष्कर्म एवं मारपीट के मुकदमे में वांछित आरोपी को पुलिस ने शुक्रवार को गिरतार कर जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि घोरावल कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला द्वारा थाना घोरावल पर तहरीर देकर आरोप लगाया गया था कि सुरेंद्र शर्मा पुत्र बरसाती निवासी मझिगवां द्वारा शादी का झांसा देकर लंबे समय तक शारीरिक संबंध स्थापित किया गया तथा बाद में खर्चा–खुराक मांगने पर उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया गया था। प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर मुक्खा मोड़ तिराहा, घोरावल के पास से आरोपी सुरेंद्र शर्मा को शुक्रवार सुबह करीब 06:15 बजे गिरतार किया गया। घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल जांच के बाद आरोपी को न्यायालय रवाना किया गया। आरोपी की गिरतारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह, शिवद्वार चौकी प्रभारी कविंद्र यादव, हेड कांस्टेबल विपिन कुमार, जयप्रकाश राव शामिल रहे।

तेज आंधी–तूफान में दो एलटी पोल टूटे, 33 केवी लाइन क्षतिग्रस्त, कई गांवों की बिजली गुल

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। सिद्धार्थनगर के मरवटिया–महुलानी विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर आए तेज आंधी–तूफान ने विद्युत व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। सेमरा और मरवटिया फीडर क्षेत्रों में दो एलटी (लो टेंशन) बिजली पोल टूट गए, जबकि बांसी पावर हाउस से आने वाली 33 केवी लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। इससे क्षेत्र के कई गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। जानकारी के अनुसार, सेमरा फीडर के टिकुईया गांव में तेज हवाओं के चलते एक एलटी पोल टूटकर गिर गया। वहीं मरवटिया फीडर क्षेत्र में भी एक अन्य एलटी पोल क्षतिग्रस्त हो गया। आंधी और बारिश के कारण बांसी पावर हाउस से मरवटिया–महुलानी विद्युत उपकेंद्र को जोड़ने वाली 33 केवी लाइन भी प्रभावित हुई, जिससे व्यापक क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि दोपहर में अचानक मौसम खराब होने के बाद बिजली गुल हो गई, जिससे लोगों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। अवर अभियंता राजकुमार ने बताया कि क्षतिग्रस्त पोल और लाइन की मरम्मत के लिए विभागीय टीमों को मौके पर लगाया गया है तथा जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से क्षतिग्रस्त पोल और लाइन की शीघ्र मरम्मत कर विद्युत आपूर्ति सामान्य करने की मांग की है।

स्वनिधि महोत्सव का आयोजन नगर पालिका परिषद कार्यालय में किया गया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पीएम स्वनिधि योजनान्तर्गत 01 जून से 30 जून, 2026 तक 01 माह के विशेष अभियान के अन्तर्गत 01 दिवसीय ''स्वनिधि महोत्सव कार्यक्रम '' का आयोजन रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद की अध्यक्षा में नगर पालिका कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। उक्त कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी, डूडा, , अग्रणी जिला प्रबन्धक, , अन्य बैंक के अधिकारी तथा नगर के रेहणी पटरी व्यवसायी, नगर पालिका के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। उक्त कार्यक्रम में अध्यक्ष नगर पालिका परिषद द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया कि केन्द्रीय मंत्रीमंडल द्वारा मार्च 2030 तक पीएम स्वनिधि योजना के पुनर्गठन और विस्तार को मंजूरी दे दी है। इस योजना को अब वित्तीय समावेशन को व्यापक बनाने, डिजिटल लेन–देन अपनाने को बढ़ावा देने, क्षमता निर्माण और वेण्डर्स और उनके परिवार को सामाजिक–आर्थिक उत्थान को सुनिश्चित करके इसके प्रभाव को व्यापक बनाने के लिए पुनर्गठित किया गया है। पुनर्गठित योजना की मुख्य विशेषताएँ यह है कि पहली और दूसरी किस्त में ऋण राशि में वृद्धि की गयी है तथा पहली किस्त के ऋण 10,000 रुपये से बढ़कर 15,000 रुपये, दूसरी किस्त के ऋण 20,000 रुपये से बढ़कर 25,000 रुपये एवं तृतीय ऋण रू0 50000 तथा द्वितीय ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों के लिए रू0 30000 के क्रेडिट कार्ड का प्राविधान किया गया है। पीएम स्वनिधि महोत्सव में अध्यक्ष एवं उपास्थित सदस्यगढ़ द्वारा उपस्थित रेहणी पटरी व्यवसायियों को परिचय बोर्ड का वितरण, क्यूआर कोड का वितरण, एल0ओ0आर का वितरण, ऋण स्वी.त पत्र का वितरण, पीएम स्वनिधि के अन्तर्गत उत.ष्ट कार्य करने वाले रेहणी पटरी व्यवसायी एवं नगर पालिका के कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया |साथ ही साथ उपस्थित समस्त सम्मानित सदस्यगण तथा अन्य सभी को बताया गया कि अपने अपने वार्डो में एवं विस्तारित क्षेत्रों में कम से कम 25–25 नये आवेदन करायें।

पूर्व में ऋण प्राप्त समस्त वेंडर्स 08 केन्द्रीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु प्रोफाइलिंग करायें। इच्छुक वेंडर्स नये रोजगार के लिए एवं अपने रोजगार को बढ़ाने के लिए नवीन आवेदन नगर पालिका परिषद सोनभद्र कार्यालय में अथवा सहज जन सेवा केन्द्र में कर सकते हैं। उक्त कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद सदस्यगण मनोज चौबे, अनवर अली, के साथ परियोजना अधिकारी, डूडा सोनभद्र, अग्रणी बैंक प्रबन्धक, अन्य बैंक के अधिकारी के अलावा नगर पालिका के अधिकारी/कर्मचारी के साथ नगर के रेहड़ी पटरी व्यवसायी उपस्थित रहे।

केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से किसानों की आय में हो रही वृद्धि

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र |सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद सोनभद्र के विकास खंड रावर्टसगंज के ग्राम मंहुराही में आयोजित दो दिवसीय .षि मेले एवं प्रदर्शनी में प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान माननीय मंत्री जी ने सर्वप्रथम .षि विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा लगाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित तकनीकों एवं योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके उपरांत मंत्री ने भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को अनुदान पर .षि यंत्र, उन्नत बीज, सिंचाई सुविधाएं तथा विभिन्न .षि योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके जीवन स्तर एवं आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है तथा भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर घोरावल विधायक डॉ. अनिल कुमार मौर्य ने भी केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए .षकों से योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, पूर्व सांसद नरेंद्र कुशवाहा, भाजपा जिला प्रभारी अनिल सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश मिश्रा, जिला महामंत्री संतोष शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। माननीय प्रभारी मंत्री जी ने .षि क्षेत्र में उत.ष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील .षकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को बीज किट वितरित किए। कार्यक्रम में उप निदेशक .षि, जिला .षि अधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित आरोपी गिरतार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्रं घोरावल पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट में वांछित आरोपी को शुक्रवार को गिरतार कर जेल भेजा गया |प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में वांछित अभियुक्तों की गिरतारी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में घोरावल पुलिस टीम द्वारा हिंदुआरी तिराहा से थाना करमा पर पंजी.त मुकदमे में गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त महानंद पुत्र स्वर्गीय रमाशंकर निवासी जलालपुर, थाना कछवा, जनपद मिर्जापुर को शुक्रवार सुबह 08. 30 बजे गिरतार किया गया। महानंद की गिरतारी हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे थे। गिरतारी के उपरांत अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई |गिरतारी करने वाली पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल महताब खां, शिवमंगल यादव, गंगाचरण शामिल रहे।

दुष्कर्म एव मारपीट के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरतार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्रंघोरावल कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में महिला के साथ हुए दुष्कर्म एवं मारपीट के मुकदमे में वांछित आरोपी को पुलिस ने शुक्रवार को गिरतार कर जेल भेज दिया |प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि घोरावल कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला द्वारा थाना घोरावल पर तहरीर देकर आरोप लगाया गया था कि सुरेंद्र शर्मा पुत्र बरसाती निवासी मझिगवां द्वारा शादी का झांसा देकर लंबे समय तक शारीरिक संबंध स्थापित किया गया तथा बाद में खर्चा–खुराक मांगने पर उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया गया था। प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर मुक्खा मोड़ तिराहा, घोरावल के पास से आरोपी सुरेंद्र शर्मा को शुक्रवार सुबह करीब 06.15 बजे गिरतार किया गया। घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल जांच के बाद आरोपी को न्यायालय रवाना किया गया। आरोपी की गिरतारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह, शिवद्वार चौकी प्रभारी कविंद्र यादव, हेड कांस्टेबल विपिन कुमार, जयप्रकाश राव शामिल रहे।

वृक्षारोपण कर मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। देश के जननायक गरीब, मजदूर, व्यापारी,किसान, नौजवान, महिलाएं,दलित, आदिवासी, आमजन मानस की आवाज प्रखंड प्रवक्त,अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व–राष्ट्रीय अध्यक्ष /सांसद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्म दिवस के अवसर पर घोरावल विधानसभा में स्थित राबट्र्सगंज ब्लॉक में सिंचाई डाग बंगले पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) के साथ वृक्षारोपण कर राहुल गांधी के लंबी उम्र की कामना किया लिए आशु दुबे ने कहा कि वृक्ष आमजन मानस की मूल है और जिस तरह बड़े–बड़े प्रोजेक्ट को लेकर वृक्षों को कटाई करने का कार्य किया जा रहा है जनपद सोनभद्र में हम लोग ऐसा कत्तई बर्दाश्त नहीं करेंगे और इसके लिए हर संभव लड़ाई लड़ने का कार्य हम कांग्रेसी करेंगे स आज राहुल गांधी जी के जन्मदिन पर हम लोग यह संकल्प लेते हैं कि जनपद सोनभद्र को इस तरह के वृक्ष काटने वाले माफियाओं से दूर रखेंगे और यहां के आम जनमानस, दलित, आदिवासियों, किसानों के हक की लड़ाई लड़ने का काम हम लोग करेंगे!युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा ने कहा कि आज देश के बेरोजगारों की आवाज राहुल गांधी जी हैं देश का युवा उनके साथ खड़ा है,व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राहुल जैन ने कहा कि कि व्यापारी भी पूरी तरीके से परेशान हो चुका है आए दिन व्यापारियों पर नए–नए तरीके से टैक्स और नई योजनाएं थोपी जा रही हैं आज हम सभी राहुल गांधी की ओर देख रहे हैं, अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश राव ने कहा कि राहुल गांधी जी हमेशा दलित/ आदिवासियों की आवाज उठाते रहते हैं और उनके हक की लड़ाई लड़ने का काम करते हैं हम सभी उनकी लंबी उम्र की कामना करते हैं, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव अखिलेश मिश्रा ने कहा कि सबको साथ लेकर चलने का काम कांग्रेस करती है और राहुल गांधी हमारे नेता है राष्ट्रीय छात्र संघठन के जिला उपाध्यक्ष सौम्य सोनकर ने कहा कि राहुल गांधी अभी कोटा में छात्रों की समस्या को लेकर उनकी लड़ाई लड़ने का बात किये आज देश का छात्र अपना भविष्य उनमें देख रहा है पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव अनिल बियार ने कहा कि राहुल गांधी सभी वर्गों/ जातियों के साथ बैठते हैं और उनकी बातों को समझते हैं और सुनते हैं जो दर्शाता है कि अच्छे जननायक वही हैँ मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राहुल जैन,अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश राव,विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव/ प्रभारी सोनभद्र अखिलेश कुमार मिश्रा, राष्ट्रीय छह संगठन के जिला उपाध्यक्ष सौम्य सोनकर,युवा कांग्रेस के जिला महासचिव दयाराम प्रजापति, युवा कांग्रेस राबट्र्सगंज विधान सभा के उपाध्यक्ष मिथिलेश पासवान, व्यापार मंडल के जिला सचिव शिवम अग्रवाल, रोशन अली, उमेश पटेल, अनुसूचित प्रकोष्ठ के शहर अध्यक्ष सुशील राव, पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव अनिल बियार, राष्ट्रीय छात्र संगठन के राज तिवारी, उज्जवल कुमार,शौर्य सिंह, शिवम कुमार, नवदीप विश्वकर्मा उपस्थित है।

जर्जर आवास की छत गिरने से श्रमिक गंभीर रूप से घायल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। विकास खंड बभनी क्षेत्र के घसिया टोला में शनिवार सुबह एक जर्जर आवास की छत गिरने से एक श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। ग्रामीणों की मदद से घायल को एम्बुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है |जानकारी के अनुसार, बभनी के खैर टोला निवासी सजीवन उर्फ कल्लू (पुत्र स्व. रामटहल) घसिया टोला स्थित रामू के खेत में बने पुराने और जर्जर आवास को तोड़ने का कार्य कर रहा था। सुबह करीब आठ बजे वह छत पर चढ़कर उसे तोड़ रहा था। इसी दौरान अचानक कमजोर और जर्जर छत भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया |हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और घायल श्रमिक को मलबे से बाहर निकालकर एम्बुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार घायल की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, भट्ठी ध्वस्त, 200 किलो लहन नष्ट

दैनिक बुद्ध का सन्देश

दुद्धी, सोनभद्र। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत शुक्रवार को आबकारी विभाग ने विंढमगंज थाना क्षेत्र में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान एक अवैध शराब भट्ठी को ध्वस्त करते हुए भारी मात्रा में कच्ची शराब और लहन बरामद कर नष्ट किया गया |उत्तर प्रदेश शासन एवं

आबकारी आयुक्त के निर्देश पर जिलाधिकारी सोनभद्र, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र तथा उप आबकारी आयुक्त मिर्जापुर के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी सोनभद्र के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। आबकारी निरीक्षक क्षेत्र–2 दुद्धी रविनंदन ने आबकारी विभाग की टीम एवं स्थानीय पुलिस बल के साथ महुली, विश्वकर्मा मोहल्ला, रेलवे स्टेशन क्षेत्र सहित विभिन्न संदिग्ध स्थलों, घरों एवं झुग्गी–झोपड़ियों में सघन छापेमारी की |कार्रवाई के दौरान करीब 25 लीटर कच्ची शराब तथा लगभग 200 किलोग्राम लहन बरामद किया गया। मौके पर संचालित अवैध शराब भट्ठी को ध्वस्त कर बरामद लहन को नष्ट कर दिया गया। मामले में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत एक अभियोग पंजी.त कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है |अभियान के दौरान टीम ने सड़क मार्गों पर चेकिंग अभियान चलाया तथा चखना की दुकानों की भी सघन जांच की। इसके साथ ही ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई |आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जनहित में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायालय में किया गया पेश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर वांछित अभियुक्तों एवं वारंटियों की गिरतारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली लोटन पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस टीम ने न्यायालय से जारी वारंट का तामील कराते हुए एक वारंटी अभियुक्त को गिरतार किया है |पुलिस अधीक्षक के आदेश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौर्य के निर्देशन में थानाध्यक्ष हरिओम कुशवाहा के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत 19 जून 2026 को कार्रवाई की गई |उपनिरीक्षक गोपाल यादव एवं हेड कांस्टेबल संजय गुप्ता की टीम ने वारंटी अभियुक्त बहादुर पुत्र बालकिशुन, निवासी ग्राम निबिहवा टोला विशुनपुर, थाना कोतवाली लोटन, जनपद सिद्धार्थनगर को उसके घर से गिरतार किया। अभियुक्त के विरुद्ध वाद संख्या 6000318/2015 में न्यायालय द्वारा वारंट जारी किया गया था, जो लंबे समय से लंबित था |पुलिस ने अभियुक्त की गिरतारी के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वारंटियों एवं वांछित अपराधियों की गिरतारी के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

निर्धारित लक्ष्य समय सीमा के अन्दर शत–प्रतिशत निर्माण कार्य कराये जाये पूर्ण–जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र |जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में नवीन व्यवस्था अन्तर्गत सी0एम0 डैशबोर्ड के माध्यम से विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि जिन विभागों को शासन द्वारा जो भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है, वह उसका शत–प्रतिशत निर्धारित समय अवधि में पूर्ण करना सुनिश्चित करें, इस दौरान पी0एम0 सूर्य घर योजना की समीक्षा की समीक्षा के दौरान उन्होने कहा कि पी0एम0 सूर्य घर योजना के अन्तर्गत बैंक के माध्यम से सब्सिडी आदि की सुविधा बैंक के माध्यम से सुनिश्चित करायी जाये उन्होने एल0डी0एम0 को निर्देशित करते हुए कहा कि पी0एम0 सूर्य घर योजना को अन्तर्गत जो भी लक्ष्य निर्धारित किये गये है उसका सत प्रतिशत निस्तारण बैंको के माध्यम से सुनिश्चित किया जाये। इसी प्रकार से उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी लोन योजना के भी प्रगति की समीक्षा की और उपायुक्त उद्योग एवं एल0डी0एम0 को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों के पत्रावलियों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाये, इस दौरान उन्होंने आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की, समीक्षा के दौरान उन्होंने सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि आई0जी0आर0एस0 पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण ससमय व गुणवत्ता पूर्ण तरीके से सुनिश्चित कराया जाये, उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों द्वारा शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्ण तरीके से नहीं किया जा रहा है और असंतुष्ट फिडबैक प्राप्त हो रहा है, ऐसे अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए करते हुए कहा कि विकास कार्यों, लाभार्थीपरक व जन कल्याणकारी योजनाओं जैसे कार्यों के प्रगति में तेजी लायी जाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए विभागीय कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारियों को पत्राचार करना सुनिश्चित किया जायेगा। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी रमेश कुमार मिश्रा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संतपाल वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह, डी0सी0 मनरेगा रवीन्द्र वीर सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

अर्थ फाल्ट की वजह से रिहंद परियोजना से विद्युत उत्पादन बाधित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बीजपुर(सोनभद्र)समूचे क्षेत्र में अचानक बदले मौसम के मिजाज़ के कारण बृहस्पतिवार की रात में बारिश व गरज चमक की वजह से एनटीपीसी रिहंद की तीनो स्टेज में अर्थ फाल्ट के कारण बिजली उत्पादन बाधित हुआ |विद्युत उत्पादन जारी रखने के लिए संबन्धित अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचकर आई बाधा को दूर कर कुछ ही घंटों में स्टेज दो और स्टेज तीन से उत्पादन सुचारु रुप शुरू करवा दिया। शुक्रवार दोपहर तक पांच यूनिटों से विद्युत उत्पादन शुरू हो गया है। इस संबंध में परियोजना जन संपर्क अधिकारी ने बताया की अर्थ फाल्ट के कारण विद्युत उत्पादन में बाधा आई थी। अभी पांचों यूनिटों से विद्युत उत्पादन शुरू हो गया है। एक यूनिट का सडाउन चल रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक : श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टॉवर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 | सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राम चरण स्टारर पेद्दी का रोमांच हुआ और बड़ा, आज से सिनेमाघरों में दिखेंगे 5 मिनट 56 सेकंड के नए सीन

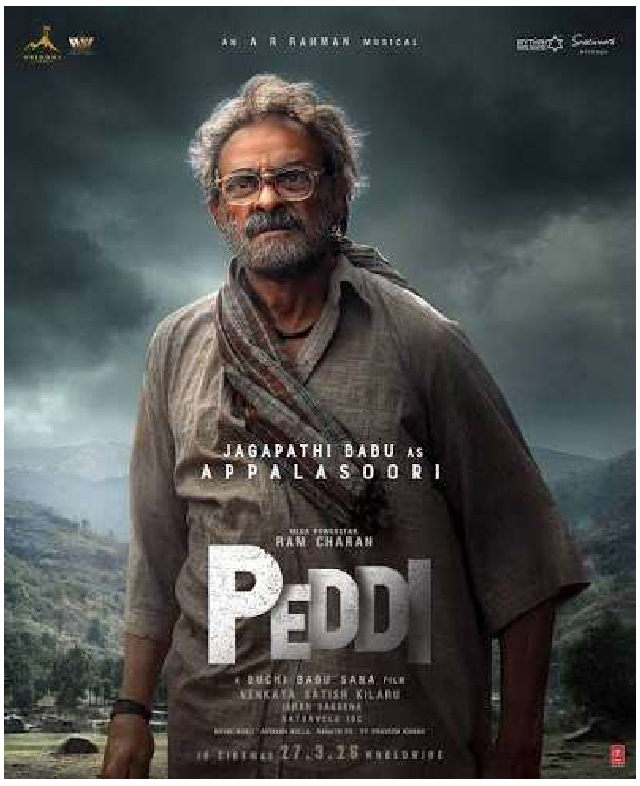

राम चरण, जान्हवी कपूर और जगपति बाबू के लीड रोल्स से सजी पेद्दी का दुनिया भर के सिनेमाघरों में ध्‍ ामाकेदार सफर लगातार जारी है. एक ऐतिहासिक ओपनिंग दर्ज करने के बाद, यह फिल्म इस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई है और हर गुजरते दिन के साथ बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड बनाते हुए 2026 में साउथ इंडिया की नंबर 1 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनकर उभरी है.

अब मेकर्स ने फैंस के लिए एक और एक्साइटिंग सरप्राइज का ऐलान किया है. सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर करते हुए उन्होंने बताया है कि कल से थिएटर्स में चल रहे फिल्म के वर्जन में 5 मिनट और 56 सेकंड के बिल्कुल नए सीन्स जोड़े जाएंगे. इस एक्सटेंडेड कट के साथ, दर्शक बड़े पर्दे पर पेद्दि के एक और भी ग्रैंड और शानदार एक्सपीरियंस की उम्मीद कर सकते हैं.

इस अपडेट को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, पेद्दी का एक्सपीरियंस अब और भी बेहतर होने जा रहा है ?? आज से सिनेमाघरों में 5 मिनट 56 सेकंड के नए सीन्स जोड़े जाएंगे.

सिनेमाघरों में दर्शकों की भारी भीड़ के साथ, पेद्दी का थिएटर्स में धमाकेदार सफर लगातार जारी है, जिसे लोगों की शानदार माउथ–पब्लिसिटी और बेहतरीन रिस्पॉन्स का पूरा साथ मिल रहा है. फिल्म में 5 मिनट और 56 सेकंड के नए सीन्स का जुड़ना बड़े पर्दे के इस एक्सपीरियंस को और भी मजेदार बनाने वाला है. यह फैंस को दोबारा थिएटर खींच लाने की एक और बड़ी वजह देगा, क्योंकि यह ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर और भी बड़े रिकॉर्ड्स बनाने की तरफ बढ़ रही है. बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित पेद्दि में राम चरण के साथ शिव राजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू जैसे दमदार कलाकार लीड रोल्स में हैं. कलाकारों की यह मजबूत फौज फिल्म के स्केल और इसके असर को और ज्यादा बढ़ा देती है. इस फिल्म को वृद्धि सिनेमाज के तहत वेंकट सतीश किलरू ने मैत्री मूवी मेकर्स, सुकुमार राइटिंग्स और आईवीवाई एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि ईशान सक्सेना इसके को–प्रोड्यूसर हैं. आईवीवाई एंटरटेनमेंट की शुरुआत साल 2020 में हुई थी और इसने भारत के सबसे पॉपुलर प्रोडक्शन हाउसेस और फिल्म राइट्स खरीदने वाली कंपनियों में अपनी एक खास जगह बनाई है. यह कंपनी प्रीमियम आईपी और फिल्म राइट्स की भारत की सबसे बड़ी फिल्मोग्राफी में से एक तैयार कर रही है, और साथ ही लगातार क्रिएटिव प्रोडक्शन हाउसेस को ऐसी बेहतरीन फिल्में बनाने में सपोर्ट कर रही है जो दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आएं. फिल्म की टेक्निकल टीम भी बेहद मजबूत है, जिसमें ए. आर. रहमान का म्यूजिक, आर. रथनावेलु की सिनेमैटोग्राफी, अविनाश कोल्ला का प्रोडक्शन डिजाइन, नवीन नूली की एडिटिंग और वी. वाई. प्रवीण कुमार का एग्जीक्यूटिव प्रोडक्शन शामिल है, जो इस फिल्म की सिनेमैटिक भव्यता और इसके इंतजार को और बढ़ा देता है. धुरंधर, धुरंधर द रिवेंज और राजा शिवाजी की शानदार कामयाबी के बाद, पेद्दी को नॉर्थ इंडिया (उत्तर भारत) में जियो स्टूडियोज द्वारा रिलीज किया गया है. यह फिल्म 4 जून 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

45 की उम्र में टीवी एक्ट्रेस किश्वर मर्चेंट ने ढाया कहर, मोनोकनी पहन बीच किनारे दिए पोज

टीवी एक्ट्रेस किश्वर मर्चेंट इन दिनों अपने पति संग वैकेशन एंजॉय करती नजर आ रही हैं. वैकेशन से उन्होंने अपनी कुछ ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं. जिसमें वो मोनोकनी पहने नजर

आईं. 45 की उम्र में एक्ट्रेस का ये अंदाज देख फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं. हिप हिप हुर्रे, एक हसीना थी, प्यार की ये एक कहानी और कैसी ये यारियां जैसे शोज में काम कर चुकीं किश्वर मर्चेंट अब काफी ग्लैमरस हो गई हैं. किश्वर मर्चेंट सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें एक्ट्रेस मोनोकनी पहने नजर आईं. 45 की उम्र में किश्वर मर्चेंट का ये अंदाज देख फैंस उनपर से नजर नहीं हटा पा रहे हैं. बढ़ती उम्र के साथ–साथ वो और भी खूबसूरत होती जा रही हैं. किश्वर मर्चेंट ने अपने लुक को मिनिमल मेकअप और खुले बालों के साथ कंप्लीट किया है. बीच किनारे किश्वर मर्चेंट ने मोनोकनी में जमकर पोज दिए हैं. उनकी मुस्कान फैंस को दीवाना बना रही है. किश्वर मर्चेंट की इन ग्लैमरस फोटोज ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है. लोग इनपर खूब प्यार लुटा रहे हैं. बता दें, एक्ट्रेस की शादी टीवी एक्टर और सिंगर सुयश राय के साथ हुई है. दोनों ने 16 दिसंबर 2016 को सात फेरे लिए थे. कपल का एक बेटी भी है.

वधला का बेहद दिलचस्प और रोमांचक टीजर जारी हुआ

सफल जोड़ी जगपति बाबू और लाया आने वाली फिल्म वधाला के साथ मूवी लवर्स का मनोरंजन करने के लिए एक साथ आ रहे हैं। अकेला वी कृष्णा द्वारा डायरेक्ट की गई यह फिल्म मूवी लवर्स

के बीच दिलचस्पी पैदा कर रही है।

मेकर्स ने आज फिल्म का टीजर रिलीज किया। टीजर में एक लेडी को ब्लैकमेल करते हुए और हीरो अपने परिवार को कैसे बचाता है, यह दिलचस्प हिस्सा है।

जगपति बाबू और लाया ने अपने इमोशंस और एक्सप्रेशन से सीन को और बेहतर बना दिया। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी और बैकग्राउंड म्यूजिक ने कहानी को और बेहतर बना दिया। छोटा के नायडू ने सिनेमैटोग्राफी संभाली और कार्तिक कोडकंडला ने अपने म्यूजिक से कहानी को और भी शानदार बना दिया।

रितिका श्रीनिवास फिल्म में दूसरी फीमेल लीड रोल में हैं। थम्मारेड्डी भारद्वाज अपने चारित्र चित्र बैनर के तहत किशोर नायडू के साथ मिलकर फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। जगपति बाबू कहते हैं, मुझे वधाला का सब्जेक्ट बहुत पसंद आया, और पिछले 10–12 सालों से मुझे इस कहानी पर पूरा भरोसा था। मैंने कहानी पिच की और मुझे स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई, इसलिए मैं अपनी पूरी एनर्जी इस फिल्म में लगा रहा हूँ।

विजय सेतुपति की अगली फिल्म का टाइटल पॉकेट नॉवेल, साथ नजर आएंगी मालविका मोहनन, पहला पोस्टर जारी

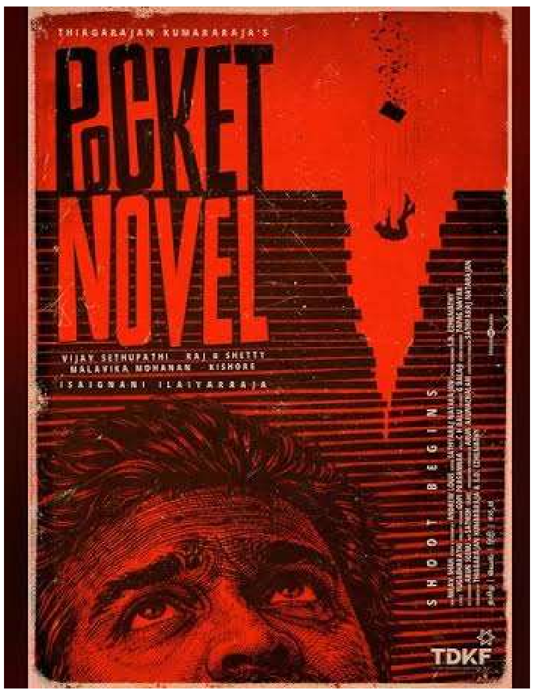

तमिल सिनेमा के मशहूर निर्देशक त्यागराजन कुमारराजा ने अपनी आगामी फिल्म का नाम श्पॉकेट नॉवेल्य रखा है। हाल ही में इसकी आधिकारिक घोषणा हुई। इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म श्पॉकेट नॉवेल्य का पोस्टर जारी किया है, जिसमें विजय सेतुपति का आधा चेहरा दिखाई दे रहा है। बैकग्राउंस में पोस्टर का रंग लाल है, जिसकी वजह से यह पोस्टर और ज्यादा इंटेंस लग रहा है। फिल्म के पोस्टर के साथ निर्माताओं ने इस फिल्म की स्टार कास्ट के बारे में भी अहम जानकारी दी है।

इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में मालविका मोहनन और राज बी शेट्टी के अलावा किशोर भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे। प्रोडक्शन कंपनी टायलर डर्डन एंड किंग फिस्ट ने सोशल मीडिया पर फिल्म का टाइटल पोस्टर जारी किया है। इसके साथ ही यह भी बताया कि सोमवार से शूटिंग शुरू हो चुकी है। पोस्टर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, त्यागराजन कुमारराजा की फिल्म पॉकेट नॉवेल की शूटिंग शुरू।

श्पॉकेट नॉवेल्य का संगीत इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी नीरव शाह के कंधों पर है। इस फिल्म की कहानी और पटकथा एंड्रयू लुईस ने लिखी है। वहीं इस फिल्म के गाने युग भारती ने लिखें हैं। विजय की इस फिल्म की घोषणा से फैंस और सिनेमा प्रेमियों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

ऑनलाइन परफ्यूम खरीदना चाहते हैं? इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

आजकल ऑनलाइन खरीदारी का चलन बहुत बढ़ गया है, खासकर परफ्यूम जैसी चीजों के लिए। बिना सुंघे परफ्यूम खरीदना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन सही जानकारी और सावधानी बरतकर आप अच्छे विकल्प चुन सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे सुझाव देंगे, जिनसे आप बिना सुंघे परफ्यूम खरीदे भी अपने लिए सही विकल्प चुन सकते हैं। इन सुझावों की मदद से आप ऑनलाइन परफ्यूम खरीदारी को आसान और सुरक्षित बना सकते हैं।

ब्रांड और रेटिंग्स पर ध्यान दें

ऑनलाइन परफ्यूम खरीदते समय सबसे पहले ब्रांड और रेटिंग्स पर ध्यान देना जरूरी है। अच्छे और लोकप्रिय ब्रांड्स की परफ्यूम हमेशा बेहतर गुणवत्ता की होती हैं। इसके अलावा रेटिंग्स और समीक्षाएं पढ़कर आप यह जान सकते हैं कि अन्य ग्राहकों को उन परफ्यूम से कैसा अनुभव रहा है। इससे आपको यह अंदाजा होगा कि कौन सी परफ्यूम आपके लिए सही रहेगी। इस तरह आप बिना सुंघे भी सही विकल्प चुन सकते हैं।

सामग्रियों की सूची देखें

परफ्यूम की सामग्रियों की सूची देखना भी अहम है। इससे आपको यह पता चलेगा कि उसमें कौन–कौन से तत्व शामिल हैं और वे आपकी त्वचा के लिए कितने अनुकूल हैं। कुछ परफ्यूम में कृत्रिम तत्व होते हैं, जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जबकि प्राकृतिक तत्व वाला परफ्यूम ज्यादा सुरक्षित होता है। इसके अलावा किसी भी नई परफ्यूम का इस्तेमाल करने से पहले उसकी सामग्रियों की जानकारी जरूर लें ताकि आपको किसी प्रकार की समस्या न हो।

कीमत का मिलान करें

जब आप ऑनलाइन परफ्यूम खरीदें तो उसकी कीमत का मिलान जरूर करें। अलग–अलग वेबसाइट्स पर एक ही परफ्यूम की कीमत में अंतर हो सकता है, इसलिए सबसे उचित दाम वाली वेबसाइट चुनें। इसके अलावा छूट या विशेष ऑफर भी देखें ताकि आप अच्छी डील पा सकें। कभी–कभी वेबसाइट्स पर खास छूट या कूपन कोड भी मिल सकते हैं, जिससे आपकी खरीदारी और भी सस्ती हो सकती है। इस तरह आप बिना सुंघे भी सही विकल्प चुन सकते हैं।

वापसी नीति पढ़ें

अगर आपको खरीदी हुई परफ्यूम पसंद नहीं आती या उसमें कोई समस्या होती है तो वापसी नीति पढ़ना जरूरी है। ज्यादातर ऑनलाइन स्टोर्स परफ्यूम की वापसी नीति प्रदान करते हैं, जिससे आप असंतुष्ट उत्पाद वापस कर सकते हैं। इससे आपको नुकसान उठाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा कुछ स्टोर्स बदलने का विकल्प भी देते हैं, जिससे आप अपनी असंतुष्ट परफ्यूम को बदल सकते हैं। इस तरह आप बिना सुंघे भी सही विकल्प चुन सकते हैं।

विशेषज्ञ सलाह लें

अगर फिर भी संदेह हो तो विशेषज्ञ सलाह लेना बेहतर हो सकता है। कई वेबसाइट्स पर विशेषज्ञ द्वारा सुझाए गए विकल्प होते हैं, जिन्हें देखकर आप बेहतर निर्णय ले सकते हैं। इसके अलावा अपने दोस्तों या परिवार वालों से भी राय ले सकते हैं, जिन्होंने पहले से वही परफ्यूम इस्तेमाल की हो। इस तरह आप बिना सुंघे भी सही विकल्प चुन सकते हैं और अपनी खरीदारी को सुरक्षित बना सकते हैं।